राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार,25 जुलाई-2021 वर्ष-4, अंक - 182 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बुनियादी ढांचा विकसित करने के बावजूद सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था पर बढ़ रहा जनसंख्या का दबाव

नई दिल्ली। जनसंख्या नियंत्रण के संदर्भ में प्रभावी कानून बनाए जाने के लिए पिछले कुछ समय से देशभर में चर्चा तेज हो चुकी है। उत्तर प्रदेश ने इस दिशा में कदम आगे बढ़ा दिया है। हालांकि यह मसला अब सामाजिक समस्या से अधिक एक राजनीतिक समस्या के रूप में उभर चुका है, लेकिन हमारे सीमित संसाधनों पर पड़ने वाले इसके व्यावहारिक पक्ष को देखा जाना ज्यादा जरूरी है। दरअसल 18वीं सदी में ही प्रख्यात अर्थशास्त्री माल्थस ने जनसंख्या वृद्धि को संसाधनों और उनकी उपलब्धता से जोड़ कर देखते हुए इसे इंसान के लिए सर्वाधिक जरूरी खाद्य आपूर्ति के संदर्भ में जनसंख्या वृद्धि का पहला सिद्धांत प्रतिपादित किया। माल्थस का मानना था कि अगर हमारी जनसंख्या खाद्य आपूर्ति की उपलब्धता के अनुपात में तेजी से बढ़ती है और यदि इस पर नियंत्रण नहीं किया गया तो उपलब्ध खाद्य आपूर्ति व जनसंख्या के बीच असंतुलन पैदा होगा जिससे खाद्यान्न संकट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। माल्थस का सिद्धांत कई दशकों तक प्रभावशाली रहा, लेकिन बाद में जब खाद्य उत्पादन को इंसान ने कई गुना बढ़ा लिया और पश्चिम में हुई औद्योगिक क्रांति ने अन्य संसाधनों की उपलब्धता को भी कई गुना बढ़ा दिया, तब माल्थस की बात थोड़ी कमजोर दिखने लगी। एक अन्य अर्थशास्त्री रिकाडरे ने जनसंख्या और श्रम को लेकर अपना सिद्धांत दिया। उनके अनुसार जनसंख्या में तेज वृद्धि वेतन का स्तर कम कर देगी और इससे लाभ व पूंजी दोनों के ही संचय पर अंकुश लग जाएगा, जिसका प्रभाव आर्थिक विकास पर पड़ेगा। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जनसंख्या नियंत्रण को लेकर चर्चाएं दो बड़े कारणों से आगे बढ़ी। पहला, दुनिया को माल्थस दोबारा याद आए जब तीसरी दुनिया के नए स्वतंत्र हुए गरीब और विकासशील देशों में जनसंख्या वृद्धि दर तेजी से बढ़ी और हालात ऐसे हो गए कि ये देश अपनी खाद्यान्न जरूरतों के लिए विकसित देशों पर निर्भर होने लगे।

गुरु पूर्णिमा पर बोले पीएम मोदी, बुद्ध के मार्ग पर चलें तो हर चुनौती का मुकाबला संभव

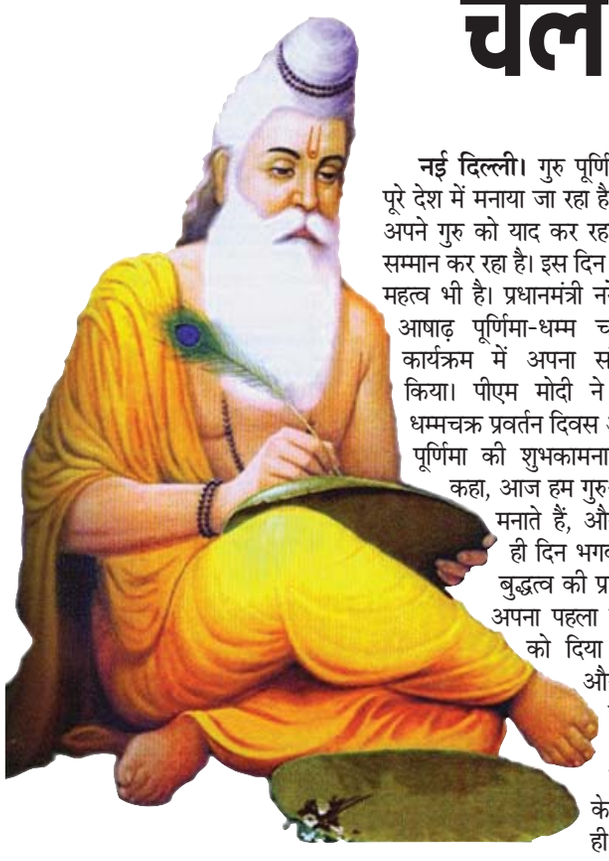

नई दिल्ली। गुरु पूर्णिमा का पर्व पूरे देश में मनाया जा रहा है। हर शख्स अपने गुरु को याद कर रहा है, उनका सम्मान कर रहा है। इस दिन का धार्मिक महत्व भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आषाढ़ पूर्णिमा-धम्म चक्र दिवस कार्यक्रम में अपना संदेश साझा किया। पीएम मोदी ने सभी को धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस और आषाढ़ पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए कहा, आज हम गुरु-पूर्णिमा भी मनाते हैं, और आज के ही दिन भगवान बुद्ध ने बुद्धत्व की प्राप्ति के बाद अपना पहला ज्ञान संसार को दिया था। त्याग और तितिक्षा से तपे बुद्ध जब बोलते हैं तो केवल शब्द ही नहीं निकलते, बल्कि धम्मचक्र का प्रवर्तन होता है। इसलिए, तब उन्होंने केवल पांच शिष्यों को उपदेश दिया था, लेकिन आज पूरी दुनिया में उन शब्दों के अनुयायी हैं, बुद्ध में आस्था रखने वाले लोग हैं।

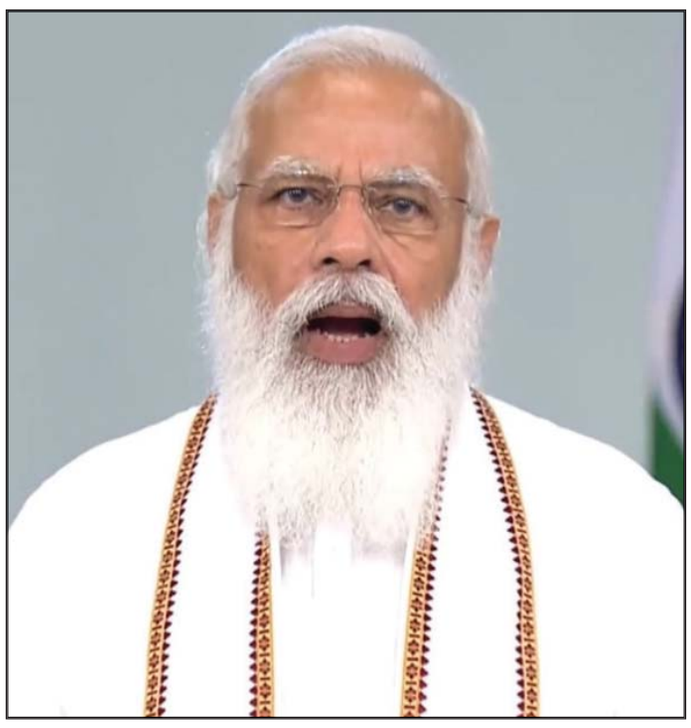

● आज कोरोना महामारी के रूप में मानवता के सामने वैसा ही संकट है जब भगवान बुद्ध हमारे लिए और भी प्रासंगिक हो जाते हैं। बुद्ध के मार्ग पर चलकर ही बड़ी से बड़ी चुनौती का सामना हम कैसे कर सकते हैं, भारत ने ये करके दिखाया है।

पीएम मोदी ने आगे कहा, सारनाथ में भगवान बुद्ध ने पूरे जीवन का, पूरे ज्ञान का सूत्र हमें बताया था। उन्होंने दुःख के बारे में बताया, दुःख के कारण के बारे में बताया, ये आश्वासन दिया कि दुःखों से जीता जा सकता है, और इस जीत का रास्ता भी बताया। बुद्ध के सम्यक विचार को लेकर आज दुनिया के देश भी एक दूसरे का हाथ थाम रहे हैं, एक दूसरे की ताकत बन रहे हैं। आज कोरोना महामारी के रूप में मानवता के सामने वैसा ही संकट है जब भगवान बुद्ध हमारे लिए और भी प्रासंगिक हो जाते हैं। बुद्ध के मार्ग पर चलकर ही बड़ी से बड़ी चुनौती का सामना हम कैसे कर सकते हैं, भारत ने ये करके दिखाया है।

अपने इस संबोधन के बारे में खुद पीएम मोदी ने जानकारी दी थी। उन्होंने ट्विटर पर लिखा था, 24 जुलाई को सुबह करीब 8:30 बजे आषाढ़ पूर्णिमा-धम्म चक्र दिवस कार्यक्रम में अपना संदेश साझा करूंगा। हिंदू कैलेंडर के अनुसार, गुरु पूर्णिमा का पर्व आषाढ़ महीने में पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है। यह हिंदुओं, जैनियों और बौद्धों द्वारा अपने गुरुओं या शिक्षकों को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है।

कोरोना वायरस के डेल्टा वेरिएंट के ज्यादा संक्रामकता की वजह एक हजार गुना ज्यादा वायरल लोड

नई दिल्ली। कोरोना के डेल्टा वेरिएंट के ज्यादा संक्रामक होने के कारणों की जांच कर रहे वैज्ञानिकों का दावा है कि इसके संक्रमितों में वायरल लोड बहुत ज्यादा पाया गया है। वायरल लोड से मतलब वायरस या इसके अंशों खासकर बाहरी आवरण में मौजूद प्रोटीन की मौजूदगी से है। नेचर में प्रकाशित शोध रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कोरोना के 2020 की शुरुआत में फैल मूल वायरस की तुलना में डेल्टा संक्रमितों में वायरल लोड एक हजार गुना ज्यादा मिला। शोध के अनुसार, चीन के सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेन्सन ने डेल्टा वेरिएंट से संक्रमित 62 लोगों में चार दिन बाद पाए गए वायरल लोड की तुलना कोरोना के शुरुआती वेरिएंट से संक्रमित हुए 63 लोगों में छह दिन में पाए गए वायरल लोड से तुलना की। डेल्टा वेरिएंट के संक्रमितों में वायरल लोड 1260 गुना तक अधिक था। वैज्ञानिकों ने औसत निकालते हुए नतीजा निकाला है कि डेल्टा मरीजों में एक हजार गुना ज्यादा वायरल लोड है, जो उसके अत्यधिक संक्रामक होने की प्रमुख वजह रही। इस शोध को लेकर हांगकांग विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ बेंजामिन कोलिन ने कहा कि वायरल लोड ज्यादा होने के साथ-साथ डेल्टा वेरिएंट में संक्रमण उभरने की अवधि भी बहुत कम देखी गई। दरअसल, जब कोई वायरस किसी व्यक्ति के शरीर को संक्रमित करता है तो यह तेजी से प्रतिरूप तैयार करता है। डेल्टा वेरिएंट में पूर्व के वायरस की तुलना में प्रतिरूप बनाने की गति भी तेज देखी गई। इसके चलते इंकुबिशन पीरिएड कम हो गया। इससे कांट्रेक्ट ट्रेसिंग में भी मुश्किल हुई या नहीं हो पाई। इससे भी संक्रमण का फैलाव तेज हुआ। बता दें कि पूर्व के अध्ययनों में इस बात की पुष्टि हो चुकी है कि डेल्टा वेरिएंट ब्रिटेन में मिले अल्फा वेरिएंट से 50 फीसदी ज्यादा संक्रामक है। जबकि अल्फा वेरिएंट कोरोना के मूल वायरस से 70 फीसदी ज्यादा संक्रामक पाया गया था। इस प्रकार डेल्टा मूल वायरस की तुलना में दोगुने से भी ज्यादा संक्रामक पाया गया। वर्द्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज के कम्युनिटी विभाग के निदेशक प्रोफेसर जुगल किशोर ने कहा कि वायरल लोड से न सिर्फ संक्रामक ज्यादा हुई है, बल्कि इससे बीमारी की भयावहता भी बढ़ी।

थर्मल पावर प्लांट की राख से बनाए जाएंगे राजमार्गों के फुटपाथ

नई दिल्ली। थर्मल पावर प्लांट से निकलने वाली राख का इस्तेमाल राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण के लिए किया जाता रहा है। केंद्र सरकार ने अब इस राख से ईंटें, ब्लॉक व टाइल्स बनाने का फैसला किया है, ताकि इनसे राष्ट्रीय राजमार्गों के फुटपाथों का निर्माण किया जा सके। इसके अलावा राख का इस्तेमाल चिनाई संरचना, फर्श आदि बनाने में भी किया जा सकेगा।

सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने 22 जुलाई को सभी राज्यों के प्रमुख सचिवों, एनएचएआई, एनएचएआईडीसीएल, पीडब्ल्यूडी के चीफ इंजीनियरों, बीआरओ को नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसमें पर्यावरण मंत्रालय की ओर से हाल ही में जारी अधिसूचना का जिक्र करते हुए कहा गया है कि देशभर में 40 से अधिक थर्मल पावर प्लांट से हर साल करोड़ों टन राख (फ्लाई एश) निकल रही है। यह न सिर्फ पर्यावरण के लिए गंभीर समस्या है बल्कि आसपास के निवासियों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है।

मंत्रालय के अधिकारी ने बताया कि पावर प्लांट प्रशासन 100 फीसदी राख का निपटारा

नहीं कर पार रहे हैं। इस कारण मिट्टी, भूजल, नदी, हवा में राख के घुलने से पर्यावरण को नुकसान हो रहा है। वहीं दूसरी ओर लोग दमा, टीबी, फेफेडों के संक्रमण व कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। नए दिशा-निर्देश में सड़क निर्माण कंपनियों के लिए पावर प्लांट से निकलने वाली राख से ईंटें, ब्लॉक व टाइल्स बनाना अनिवार्य होगा। इसका उपयोग राजमार्गों के फुटपाथ बनाने में किया जाएगा। कंपनियों को 300 किलोमीटर के दायरे में स्थित पावर प्लांट से राख को लाना होगा। इसकी ढुलाई में कंपनी व पावर प्लांट को आधा-आधा खर्च वहन करना होगा।

जानकारों का कहना है कि थर्मल पावर प्लांट से निकले वाली राख में खतरनाक-जहरीले आर्सेनिक, सिलिका, एल्युमिनियम, पारा, आयरन आदि तत्व होते हैं। यह जमीन, जंगल व मानव के लिए घातक है, वहीं नदी-तालाब व भूजल प्रदूषित होता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार भारत में कुल बिजली उत्पादन का करीब 63 फीसदी बिजली की जरुरत थर्मल पावर प्लांट से पूरी होती है। 2016-17 में देशभर के थर्मल पावर प्लांट से बिजली उत्पादन के कारण 169.10 मिलियन टन राख पैदा हुई। 2018-19 यह आंकड़ा बढ़कर 217.04 मिलियन टन हो गया।

पतंजलि के कोरोनिल को कैसे दी गई मंजूरी?

स्वास्थ्य मंत्रालय ने दिया यह जवाब

नई दिल्ली। योग गुरु बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि की कोरोनिल बीते दिनों सुर्खियों में रही। कंपनी और खुद योग गुरु का दावा था कि यह महामारी के खिलाफ लड़ाई में काफी कारगर है। इस बीच केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने लोकसभा को बताया है कि आखिर पतंजलि को इसका लाइसेंस कैसे मिला।

स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है, उत्तराखंड के राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरण ने आयुष मंत्रालय द्वारा गठित एक समीक्षा समिति की सलाह के बाद इलाज का दावा किए बिना कोविड -19 के प्रबंधन में सहायक उपाय के रूप में इस्तेमाल किए जाने वाले कोरोनिल टैबलेट के लिए लाइसेंस प्रदान किया है। स्वास्थ्य राज्य मंत्री भारती प्रवीण पवार ने एक लिखित जवाब में कहा कि आयुष मंत्रालय द्वारा गठित इंटरडिसिप्लिनरी टेक्निकल रिव्यू कमेटी ने पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा दिव्य कोरोनिल टैबलेट के इम्युनिटी बूस्टर से कोविड-19 की दवा के लिए आयुष लाइसेंस को अपडेट करने के लिए जमा किए गए आवेदन की समीक्षा की। समिति ने सुझाव दिया कि टैबलेट का इस्तेमाल कोविड प्रबंधन में सहायक उपाय के रूप में किया जा सकता है। पवार ने अपने जवाब में कहा, पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन ट्रस्ट, हरिद्वार, उत्तराखंड द्वारा मंत्रालय को इम्युनिटी बूस्टर से मेडिसिन के लिए दिव्य कोरोनिल टैबलेट के लिए आयुष लाइसेंस अपडेट शीर्षक से आवेदन दिया गया। 27 अक्टूबर, 2020 को आईटीआरसी के समक्ष जांच के लिए समक्ष रखा गया।

बांबे हाई कोर्ट ने स्टेन स्वामी की तारीफ में की गई टिप्पणी वापस ली, एनआइए ने टिप्पणी पर जताई थी आपत्ति

नई दिल्ली। बांबे हाई कोर्ट की जस्टिस एसएस शिंदे की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने एल्गार परिषद मामले में आरोपित फादर स्टेन स्वामी की तारीफ में की गई मौखिक टिप्पणी वापस ले ली है। स्टेन स्वामी का हाल ही में गंभीर बीमारी से निधन हो गया था। उच्च न्यायालय के निर्देश पर स्टेन स्वामी को तलोजा जेल से इस निजी अस्पताल में दाखिल किया गया था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) की ओर से हाई कोर्ट में पेश एडीशनल सालिसिटर जनरल अनिल सिंह ने सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट की टिप्पणी पर आपत्ति जताई। बांबे हाई कोर्ट ने सोमवार को स्टेन स्वामी को याद करते हुए कहा था कि कानूनी मामलों से इतर समाज के लिए किए गए कार्यो के लिए वह उनकी प्रशंसा करता है। ऐसी उम्मीद नहीं थी कि उनका निधन हो जाएगा। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान सिंह ने कहा कि एनआइए के खिलाफ नकारात्मक छवि बनाई जा रही है और इससे जांचकर्ताओं के मनोबल पर असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि जस्टिस शिंदे ने खुली अदालत में यह टिप्पणी की और मीडिया में व्यापक रूप से इसकी रिपोर्टिंग हुई। उधर, स्वामी

● कानूनी मामलों से इतर समाज के लिए किए गए कार्यों के लिए वह उनकी प्रशंसा करता है। ऐसी उम्मीद नहीं थी कि उनका निधन हो जाएगा। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान सिंह ने कहा कि एनआइए के खिलाफ नकारात्मक छवि बनाई जा रही है और इससे जांचकर्ताओं के मनोबल पर असर पड़ता है।

की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मिहिर देसाई ने उच्च न्यायालय से अनुरोध किया कि वह अपने विशेष अधिकारों का इस्तेमाल करके एल्गार परिषद-माओवादी संबंध मामले में आरोपी स्टेन स्वामी की मृत्यु के मामले की मजिस्ट्रेट जांच की निगरानी करे। स्टेन स्वामी का पांच जुलाई को शहर के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया था। देसाई ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 176 के अनुरूप उच्च न्यायालय से स्वामी के सहयोगी फादर फ्रेजर मासकैरनहास को स्वामी की मौत के मामले की जांच में शामिल होने की अनुमति देने का अनुरोध किया। एनआइए की ओर से अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल अनिल सिंह ने कहा कि एजेंसी को फादर मासकैरनहास के जांच में भाग लेने पर कोई आपत्ति नहीं है इसलिए अदालत को एनएचआरसी दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए मजिस्ट्रेट को कोई निर्देश देने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि यह प्रक्रिया का हिस्सा है और उसका पालन किया जाएगा। उच्च न्यायालय में इस मामले की अगली सुनवाई चार अगस्त को होगी।

जम्मू-कश्मीर में पुलिस ने मार गिराया ड्रोन, पांच किलो आईईडी बरामद

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कनाचक इलाके में पुलिस ने एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया है। इस ड्रोन से पांच किलो आईईडी भी बरामद हुई है। पुलिस ने बताया कि ड्रोन को भारतीय सीमा के आठ किलोमीटर अंदर मार गिराया गया है। बीते कई दिनों से भारतीय सीमा में ड्रोन देखे जा रहे हैं। इन्हें सीमा पार से भेजा जा रहा है। खुफिया एजेंसियां पहले ही अंदेशा जता चुकी हैं कि आतंकी ड्रोन के जरिए किसी बड़ी साजिश को अंजाम देने की फिराक में हैं। सुरक्षाबलों ने भी इस चुनौती से निपटने के लिए रणनीति बनाई है और माना जा रहै कि हा यह ड्रोन जिसे मार गिराया गया ये उसी का नतीजा है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जम्मू क्षेत्र मुकेश सिंह ने कहा कि पुलिस को एक विशिष्ट इनपुट मिला था कि आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद अखनूर के पास एक ड्रोन के माध्यम से एक पेलोड गिराने की योजना बना रहा है। सिंह ने कहा रात करीब 1 बजे पुलिस ने ड्रोन को मार गिराया। उन्होंने कहा कि पैक्ड आईईडी को गिराने के बाद किसी के द्वारा उठाया जाना था। हमने संदिग्ध का इंतजार किया लेकिन कोई नहीं आया। यह आईईडी किसी स्थान पर प्लांट की जानी थी। जिसे समय रहते नाकाम कर दिया गया है। इसे चीन और ताइवान के पुर्जों से बनाया गया है।

सिंह ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में ड्रोन के जरिए भेजे गई 16 एके-47 राइफल, तीन एम-4 राइफल, 34 पिस्टल, 15 ग्रेनेड और 18 आईईडी बरामद हुई हैं। एक दो ड्रोन ऐसे थे जिनके जरिए पैसा भेजा गया, जिससे 4 लाख रुपये बरामद किए गए हैं। कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आतंकी संगठन जैश-

ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा ड्रोन के जरिए जम्मू और कश्मीर संभाग में धमाका और हथियार गिराने की साजिशें रच रहे हैं।

उन्होंने बताया कि जम्मू एयरफोर्स स्टेशन के पास एटी ड्रोन सिस्टम लगाया गया है। साथ ही 15 अगस्त पर किसी प्रकार की अनहोनी न हो इसके लिए पूरी तैयारी कर ली गई है। सुरक्षाबलों को अलर्ट पर रखा गया है।

यह पूछे जाने पर कि क्या ड्रोन की आज की बरामदगी और हाल ही में जम्मू वायु सेना स्टेशन पर हमले के बीच कोई संबंध है, सिंह ने कहा कि आज के ड्रोन में बरामद धागे वही थे। आगे की जांच जारी है। ऐसा लगता है कि जैश-ए-मोहम्मद ने एक ही श्रृंखला के कई ड्रोन इकट्ठे किए हैं। पूर्व में कठुआ में बरामद किए गए एक ड्रोन और आज के ड्रोन के सीरियल नंबर में सिर्फ एक अंक का अंतर है।

सोपोर में दो आतंकी ढेर, ड्रोन के पीछे लश्कर-ए-तैयबा की साजिश

बारामुला जिले के सोपोर के वारपोरा में सुरक्षाबलों की आतंकियों के साथ मुठभेड़ में दो दहशतगर्दों को मार गिराया गया है। उनके पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। बाकी आतंकियों की तलाश जारी है। मुठभेड़ कल (गुरुवार) रात से चल रही है।

ड्रोन से भारतीय वायुसेना स्टेशन को बनाया जा चुका है निशाना

27 जून को भारतीय वायुसेना स्टेशन पर आतंकियों ने ड्रोन के जरिए विस्फोटक गिराकर हमला किया था। इस हमले में दो लोगों को हल्की चोटें आई थीं। इस हमले के बाद से ही घाटी में पुलिस लेकर सेना तक अलर्ट है। पीएम नरेंद्र मोदी ने ड्रोन पर उभरते खतरे को लेकर एक उच्चस्तरीय बैठक भी बुलाई थी।

सुरक्षा एजेंसियों ने अंदेशा जताया है कि इस ड्रोन साजिश के पीछे आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का हाथ है। आतंकी 27 जून के जैसे किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। आतंकियों द्वारा ड्रोन का इस्तेमाल लगातार किए जाने पर पुलिस महकमा चिंतित है। डीजीपी दिलबाग सिंह ने पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा की रणनीति दोबारा बनाने के लिए कहा है। साथ ही आतंकियों के ड्रोन इस्तेमाल करने को लेकर सतर्क रहने के लिए भी कहा गया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

बारिश से तबाही

महाराष्ट्र में भारी बारिश का कहर न केवल दुखद, बल्कि बहुत चिंताजनक है। रायगढ़ जिले के महाड गांव में भूस्खलन से अनेक लोगों की मौत की आशंका है। हादसा इतना बड़ा था कि शुरुआती हालात से ही अंदाजा लग गया कि चट्टान खिसकने की इस घटना में मरने वालों की संख्या में और इजाफा हो सकता है। महाराष्ट्र के अनेक इलाकों में बारिश से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं और सेना से मदद लेने की भी जरूरत पड़ रही है। भूस्खलन और मकान गिरने की घटनाओं की सूचना लगातार आ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के रायगढ़ में भूस्खलन के कारण जान गंवाने वालों के परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राहत कोष से 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की है। घायलों को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे। हादसा इतना बड़ा है कि केंद्रीय गृह मंत्री ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से बात की और राज्य को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। स्वाभाविक ही एनडीआरएफ की टीमें मुंबई से करीब 160 किलोमीटर दूर महाड पहुंच गई हैं और नुकसान रोकने की कोशिश जारी है। स्थानीय प्रशासन, राज्य सरकार और केंद्र सरकार को मिल-जुलकर कोशिश करनी चाहिए कि ऐसे हादसों को पुनरावृत्ति न हो। बताते हैं कि यह बस्ती पहाड़ी पर बसी थी और पहाड़ी ही भूस्खलन का शिकार हुई है, जिससे करीब 25-30 घर चपेट में आ गए। ऐसी जितनी भी बस्तियां देश में हैं, उनको एक बार परख लेना चाहिए। प्रशासन की अनदेखी की वजह से जगह-जगह पहाड़ों पर वैध-अवैध बस्तियां बसती चली जा रही हैं, इन्हें रोकने के लिए पर्याप्त कानून हैं, तो फिर हादसों का इंतजार क्यों? यह जो हादसा हुआ है, इसे केवल प्राकृतिक मानकर नहीं भुलाना चाहिए। ऐसी आपदाएं मानव निर्मित हैं। महाराष्ट्र में जगह-जगह जलभराव की जो सूचनाएं आ रही हैं, उनके पीछे भी कोताही ही है। जिन अधिकारियों पर बसावट की जिम्मेदारी है, वे सही ढंग से काम नहीं कर रहे हैं। ताजा हादसे के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर भी आंच आनी चाहिए, तभी देश में खतरनाक बस्तियों पर लगाम की गुंजाइश बनेगी। ठीक इसी तरह भारी बारिश की वजह से जर्जर मकानों का गिरना भी लापरवाही ही है। दोष भारी बारिश का कम और हमारा ज्यादा है। मुंबई जैसे महत्वपूर्ण महानगर में मकान गिर रहे हैं और लोग दब जा रहे हैं, तो हमें एक बार अपने गिरेबान में ईमानदारी से झांक लेना चाहिए। कोंकण में बारिश की वजह से करीब छह हजार से अधिक लोग फंसे रहे, तो क्यों? चिपलून के जिला कलक्टर के मुताबिक, वशिष्ठ नदी के किनारे अवैध निर्माण और कोलकेवाड़ी बांध से पानी छोड़े जाने से बाढ़ आ सकती है, मतलब खतरा न केवल बना हुआ है, बल्कि उसके बढ़ने की आशंका है। वशिष्ठ नदी के जलस्तर में वृद्धि के कारण 70 हजार की आबादी वाला 80 प्रतिशत से अधिक कस्बा जलमग्न हो गया है। छोटी नदियों में भी आई बाढ़ संकेत है कि हमने उनकी राह में बाधाएं बिछा दी हैं। पहले जब तेज बारिश होती थी, तब छोटी नदियां बचाव का काम करती थीं, पर अब देश भर में इन नदियों का जो हाल किया जा रहा है, व्यापकता में निगाह फेरने की जरूरत है। आज अगर हमें बचने के लिए आपदा प्रबंधन दलों और यहां तक कि नौसेना की जरूरत पड़ रही है, तो हमें सोचना ही पड़ेगा कि क्या है स्थाई समाधान।

'आज के ट्वीट

आप कौन हैं

आप कौन हैं और आप कौन बनना चाहते हैं, इसके बीच का अंतर यह है कि आप क्या करते हैं।

-- विवेक बिन्द्रा

चीनी साम्राज्यवाद के मुकाबले का वक्त

जी. पार्थसारथी

इस विवादास्पद मुद्दे पर बहस होती रहती है कि क्या नई बनती वैश्विक व्यवस्था, जिसमें उतरोत्तर मुखर और आक्रामक होता चीन अपना प्रभुत्व बनाना चाहता है— इसके मद्देनजर भारत को अपनी गुट-निरपेक्ष नीति त्याग देनी चाहिए। हालांकि, गुटनिरपेक्षता के आदर्श या कहें कि 'असल गुटनिरपेक्षता' निभाने के फायदे भी हैं। तभी रूस और अमेरिका, दोनों देशों के साथ हमारे संबंध मधुर हैं। तथापि आज की दुनिया में हकीकत यह है हमारी सीमाओं पर शी जिनपिंग के नेतृत्व वाले चीन से चुनौतियां दरपेश हैं। चीन अपनी बढ़ती आर्थिकी और सैन्य ताकत का निरंतर दुरुपयोग करते हुए 18 मुल्कों के साथ लगती थलीय और जलीय सीमा संबंधी मनमाने दावे जता रहा है। हम यह भी देख रहे हैं चीन द्वारा राष्ट्रों के हक रौंदकर अपना प्रभुत्व बनाने के खिलाफ उठ खड़े होने को वियतनाम जैसे छोटे देशों के दृढ़ निश्चय और इच्छाशक्ति में इजाफा भी हुआ है। चीनी नेतृत्व के दिमाग में यह ग्रंथि है कि राष्ट्रों के साथ द्विपक्षीय रिश्तों के नियम वह तय करेगा और उन्हें उनका पालन करना होगा। भारत के खिलाफ चीन की नीति एकदम साफ है, वह हमारी घेराबंदी करना चाहता है, इसके लिए सैन्य ताकत इस्तेमाल कर समय-समय पर 'सलामी कटिंग' वाली नीति से टुकड़ों में इलाका हड़पता आया है। जहां पहले उसका ध्यान हमारी पूरबी सीमाओं पर भूमि कब्जाने पर केंद्रित था, वहीं पिछले कुछ सालों से अब लद्दाख वाली उत्तरी सीमा पर भी यही करने लगा है। पिछले साल हिमालय की ऊंचाइयों पर बनी आमने-सामने वाली तनावपूर्ण स्थिति के बाद, जिसमें दोनों ओर से टैंक तक तैनात कर दिए गए थे, अंततः चीनी फौज के पीछे हटने पर संधि हुई थी। तय हुआ था कि चीनी सैनिक जनवरी, 2020 वाले अपने ठिकानों तक वापस होंगे। इसके बावजूद भारतीय क्षेत्र में देपसांग, गोगरा और हॉट स्प्रिंग इलाके पर अभी भी चीन का नियंत्रण बरकरार है। भारत को 'नाथने' के प्रयासों में चीन का एक तरीका यह भी है कि दीगर दक्षिण एशियाई मुल्कों में वह उन राजनीतिक दलों और नेताओं की मदद करता है, जिनकी धारणा भारत-विरोधी है। पिछले सालों में इसका सुबूत नेपाल, मालदीव और श्रीलंका में देखने को मिला है। चीन की यह नीति हर बार काम नहीं करती क्योंकि अधिकांश दक्षिण एशियाई राजनेताओं को अब पता चल गया है कि बेबात भारत को नाराज करने से कुछ हासिल नहीं होने वाला। इसके अलावा कुछ राजनेता जैसे कि बांग्लादेश की शेख हसीना और भूटान की राजशाही को चीन द्वारा फुसलाए जाने वाले प्रयासों का खासा अनुभव है। भूटान के साथ मौजूदा सीमा को भी चीन मान्यता नहीं देता। चीन ने भारतीय हितों को चोट पहुंचाने के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल करना जारी रखा हुआ है। चाहे यह काम अफगानिस्तान में तालिबान का समर्थन करके हो या फिर पाकिस्तान की थल, जल और नभ सैन्य क्षमता को मिसाइलों और परमाणु आयुधों से लैस करके सुदृढ़ करने वाला हो। इसके अलावा चीन ने बेल्ट एंड रोड नामक परियोजना की आड़ में मालदीव, श्रीलंका और पाकिस्तान को कर्ज के मकड़जाल में फंसाकर उनकी सार्वभौमिकता को गिरवी रख लिया है, लेकिन अब उनको यह खेल समझ आने लगा है। हिंद-प्रशांत महासागरीय क्षेत्र में चीन द्वारा अधिनायकवादी प्रभुत्व बनाने वाले प्रयासों का जवाब देने को भारत अब बेहतर स्थिति में है। चीन के 18 पड़ोसी मुल्कों के साथ थलीय और जलीय सीमा संबंधी विवाद चल रहे हैं, इसकी शुरुआत वियतनाम के बड़े समुद्री इलाके पर अपना दावा ठोंकने से हुई थी। चीन ऐतिहासिक सीमा रेखा का वास्ता देकर वियतनामी क्षेत्र को अपना बताता आया है। उसका दावा है कि मिंग वंश के साम्राज्य में 1368-1644 के बीच यह विवादित इलाका चीन का हिस्सा था। वह वियतनाम के पैरासैल द्वीप, दक्षिण चीन सागरीय सीमावर्ती इलाके और स्पार्टी द्वीप पर भी अपना गैरकानूनी हक जता रहा है। वर्ष 1979 में शुरू होकर इन पड़ोसी देशों में खूनी युद्ध चला था, जिसमें दोनों ओर भारी जानी नुकसान हुआ था। जमीनी लड़ाई 1984 में रुक गई थी लेकिन नौसैन्य झड़पें 1988 तक चली थीं। फिलीपींस के जलीय क्षेत्र पर भी चीन अपना अवैध दावा ठोक रहा है। इस विवाद में अंतर्राष्ट्रीय जलसीमा न्यायाधिकरण द्वारा फिलीपींस के हक में दिए फैसले को खारिज कर चीन ने अंतर्राष्ट्रीय कानून को धता बताया है। भारत, जापान, फिलीपींस, रूस और वियतनाम के साथ इलाका विवादों के अलावा चीन का विवाद दक्षिण एशियाई मुल्कों में नेपाल और भूटान से भी है। इनके अलावा, उत्तर और दक्षिण कोरिया, ताइवान, ब्रुनेई और ताजिकिस्तान के साथ भी सीमा झगड़े हैं, यहां तक कि आसियान संगठन के सदस्य देश सिंगापुर, ब्रुनेई, मलेशिया, इंडोनेशिया, कम्बोडिया और लाओस के साथ भी। लेकिन चीन की सीमा संबंधी महत्वाकांक्षा का सामना करने में आपसी एकता दिखाने की बजाय आसियान देश इस बात पर बंटे हुए हैं कि चीनी दावों से कैसे निपटा जाए। 12 मार्च, 2021 को जारी घोषणापत्र 'क्वाड की भावना' में अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष नेतृत्व ने अपना ध्यान कोविड-19 महामारी से कैसे निपटना है, इस पर सहयोग के उपायों पर केंद्रित रखा है। इन्होंने अंतर्राष्ट्रीय कानून सम्मत एक मुक्त, निर्बाध, नियम आधारित व्यवस्था बनाने की शपथ ली है ताकि हिंद-प्रशांत महासागरीय और उससे परे जलराशि में सुरक्षा यकीनी बनाने और बेजा धमकियों का जवाब देने को पुष्ट किया जाए। घोषणा कहती है 'हम अंतर्राष्ट्रीय कानून सम्मत मुक्त, स्वतंत्रता आधारित व्यवस्था बनाने को प्रतिबद्ध हैं ताकि क्षेत्र में सुरक्षा एवं समृद्धि को बढ़ावा मिल सके। हम कानून के राज कायम करने, स्वतंत्र नौवहनीय एवं वायुमार्गीय आवाजाही, विवादों का शांतिपूर्ण निपटारा करने, लोकतांत्रिक मूल्यों और क्षेत्रीय अखंडता कायम रखने का समर्थन करते हैं।' क्वाड की बैठक में यह सहमति बनी है कि अमेरिका अपनी जॉनसन एंड जॉनसन कंपनी की मार्फत भारत में 2022 के अंत तक कोविड वैक्सीन के 100 करोड़ टीके बनाने वाला प्लांट स्थापित करवाएगा। हिंद और प्रशांत महासागरीय क्षेत्र में चीन पड़ोसी मुल्कों से सीमा संबंधी विवाद वार्ता से सुलझाने की बजाय अपनी इच्छा दूसरों पर थोपने पर आमादा है। यह कृत्य आसियान और बिमस्टेक जैसे संगठनों की मौजूदगी के बावजूद कर रहा है, जिनका मंतव्य क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना है। जब बात सीमा विवादों की हो, तो चीन अपने नियम-कानून लागू करवाना चाहता है। जिस ढंग से अमेरिका ने अफगानिस्तान से सैनिकों की वापसी की है, वह समझ से बाहर है। अफगानिस्तान में अमेरिका अपने पीछे जिस अफगान सेना को छोड़ गया है उसके पास हथियार और संसाधन किसी अर्ध-सैनिक बल सरीखे हैं, उसके पास न तो पर्याप्त तोपखाना, टैंक है और न ही अन्य जरूरी उपकरण हैं। तालिबान फिलहाल अफगानिस्तान में एक भी प्रांतीय राजधानी पर कब्जा करने में कामयाब नहीं हो पाया है। यदि अमेरिका अफगानिस्तान में पाकिस्तान की मदद वाले आतंकवाद से सख्ती से नहीं निपटता तो यह मायूस करने वाली बात है। इसकी बजाय अमेरिका वहां एक अन्य 'कवाड' को बढ़ावा देने में लगा है, जिसका मंतव्य अफगानिस्तान को पाकिस्तान और उजबेकिस्तान से जोड़ना है। यह देखने में वाकई अजीब है क्योंकि ठीक इसी समय अफगानिस्तान अपने समक्ष जिस सबसे गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है, वह है तालिबान, जिसकी मदद पाकिस्तान से जारी है। तथापि अफगानिस्तान में भारत के अपने मित्र हैं, जिनके साथ सहयोग करके मुश्किल भंवर में पड़े इस दोस्त पड़ोसी मुल्क की मदद की जा सकती है।

लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक हैं।

ज्ञान गंगा

परमार्थ

श्रीराम शर्मा आचार्य

परमार्थ परायण जीवन जीना है, तो उसके नाम पर कुछ भी करने लगना उचित नहीं। परमार्थ के नाम पर अपनी शक्ति ऐसे कार्यों में लगानी चाहिए जिनमें उसकी सर्वाधिक सार्थकता हो। स्वयं अपने अन्दर से लेकर बाहर समाज में सत्प्रवृत्तियां पैदा करना, बढ़ाना इस दृष्टि से सबसे अधिक उपयुक्त है। संसार में जितना भी कुछ सत्कार्य बन पड़ रहा है, उस सबके मूल में सत्प्रवृत्तियां ही काम करती हैं। समय पाकर बीज जिस प्रकार अंकुरित होता और फलता-फूलता है, उसी प्रकार सत्प्रवृत्तियां भी अगणित प्रकार के पुण्य परमार्थों के रूप में विकसित एवं परिलक्षित होती हैं। जिस शुष्क हृदय में सद्भावनाओं, सद्विचारों के लिए कोई स्थान न हो, उसके द्वारा जीवन में कोई श्रेष्ठ कार्य बन पड़े, यह लगभग असंभव ही मानना चाहिए। जिन लोगों ने कोई सत्कर्म, आदर्श का अनुसरण किया है उनमें से प्रत्येक को उससे पूर्व अपनी पाशविक वृत्तियों पर नियंत्रण कर सकने योग्य सद्विचारों का लाभ किसी न किसी प्रकार मिल चुका होता है। कुकर्मी और दुर्बुद्धि मनुष्यों के इस घृणित उपस्थिति में पड़े रहने की जिम्मेदारी उनकी उस भूल पर है जिसके कारण वे सद्विचारों की आवश्यकता और उपयोगिता को समझने से वंचित रहे, जीवन के इस सवरेपरि लाभ की उपेक्षा करते रहे, उसे व्यर्थ मानकर उससे बचते और कतराते रहे। मूलत- मनुष्य एक प्रकार का काला कुरू लोहा मात्र है। सद्विचारों का पारस छूकर ही वह सोना बनता है। इस संसार में अनेकों परमार्थ और उपकार के कार्य हैं। ये सब आवरण मात्र हैं उनकी आत्मा में, सद्भावनाएं सन्निहित हैं। सद्भावना रहित सत्कर्म भी केवल ढोंग मात्र बनकर रह जाते हैं। अनेकों संस्थाएं आज परमार्थ का आडम्बर ओढ़ कर सिंह की खाल ओढ़ कर फिरने वाले श्रृंगाल का उपहासास्पद उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं। उनसे लाभ किसी का कुछ नहीं होता, विडम्बना बढ़ती है और परमार्थ को भी लोग आशंका एवं सन्देह की दृष्टि से देखने लगने लगते हैं। बुराइयां आज संसार में इसलिए बढ़ और फल-फूल रही हैं कि उनका अपने आचरण द्वारा प्रचार करने वाले पक्के प्रचारक, पूरी तरह मन, कर्म, वचन से बुराई करने और फैलाने वाले लोग बहुसंख्या में मौजूद हैं।

आज का राशिफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

कोयला संयंत्रों के बजाय अक्षय ऊर्जा की ओर बढ़ाएं कदम

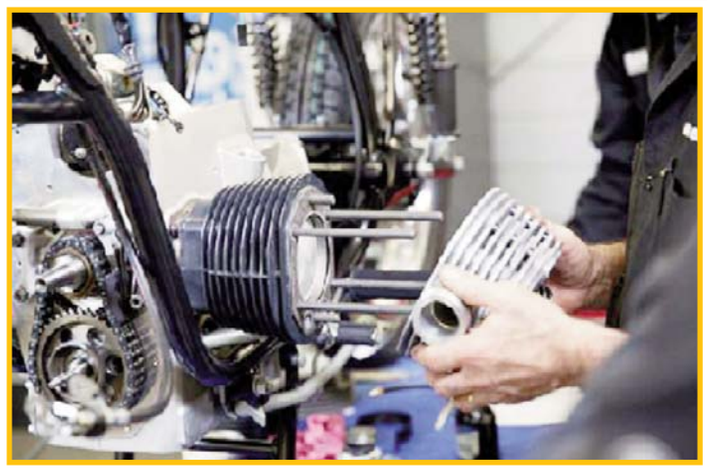

- योगेश कुमार गोयल

'थर्मल पावर स्टेशन', जिन्हें ऊष्मीय शक्ति संयंत्र या ताप विद्युत केन्द्र के नाम से भी जाना जाता है, ऐसे विद्युत उत्पादन संयंत्र होते हैं, जिनमें प्रमुख टरबाइनें भाप से चलाई जाती हैं और यह भाप कोयला, गैस इत्यादि को जलाकर पानी को गर्म करके प्राप्त की जाती है। पानी गर्म करने के लिए ईंधन का प्रयोग किया जाता है, जिससे उच्च दाब पर भाप बनती है और बिजली पैदा करने के लिए इसी भाप से टरबाइनें चलाई जाती हैं। हमारे जीवन में थर्मल इंजीनियरिंग के महत्व को समझाने के लिए प्रतिवर्ष 24 जुलाई को 'राष्ट्रीय थर्मल इंजीनियरिंग दिवस' मनाया जाता है। थर्मल इंजीनियरिंग आखिर है क्या? यह मैकेनिकल इंजीनियरिंग का ही एक ऐसा हिस्सा है, जिसमें ऊष्मीय ऊर्जा का इस्तेमाल किया जाता है। घरों तथा गाड़ियों में इस्तेमाल होने वाले एयरकंडीशनर तथा रेफ्रिजरेटरों में इसी इंजीनियरिंग का इस्तेमाल होता है। थर्मल इंजीनियरिंग के जरिये इंजीनियर ऊष्मा को अलग-अलग माध्यमों में उपयोग करने के अलावा ऊष्मीय ऊर्जा को दूसरी ऊर्जा में भी परिवर्तित कर सकते हैं। थर्मल इंजीनियरिंग वास्तव में बंद या खुले वातावरण में वस्तुओं को गर्म या ठंडा रखने की प्रक्रिया है और थर्मल इंजीनियर ऊष्मीय ऊर्जा को केमिकल, मैकेनिकल या विद्युतीय ऊर्जा में परिवर्तित करने के लिए विभिन्न प्रकार की मशीनें तैयार करते हैं, जिनके जरिये वे ऊष्मा को नियंत्रित करते हैं। हमारे घरों या दफ्तरों में इस्तेमाल होने वाली बिजली इसी ऊष्मीय ऊर्जा से बनती है और यह बिजली बनाने का काम करते हैं थर्मल पावर स्टेशन। थर्मल पावर स्टेशनों में ऊष्मीय ऊर्जा को बिजली में परिवर्तित किया जाता है और इसके लिए भाप से चलने वाली टरबाइनों का इस्तेमाल किया जाता है। भाप बनाने के लिए पानी को उच्च तापमान पर गर्म किया जाता है, जिसके लिए कोयला, सोलर हीट, न्यूक्लियर हीट, कचरा तथा बायो ईंधन उपयोग किया जाता है। दुनिया के कई देशों में अभी भी बिजली पैदा करने के लिए भाप से चलने वाली टरबाइनों का उपयोग किया जाता है किन्तु पर्यावरणीय खतरों को देखते हुए अब धीरे-धीरे बिजली पैदा करने के लिए सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा के अन्य स्रोतों को ही महत्व दिया जाने लगा है। भारत में इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए जा रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में हजारों मेगावाट क्षमता की कुछ अत्याधुनिक मेगा सौर ऊर्जा परियोजनाएं शुरू भी की गई हैं। हजारों मेगावाट के कुछ सोलर प्लांट पहले से ही ऊर्जा उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान दे भी रहे हैं। थर्मल पावर स्टेशनों में भाप पैदा करने के लिए कोयला जलाने से पर्यावरण को अपूरणीय क्षति पहुंचती है क्योंकि इस प्रक्रिया में निकलने वाली हानिकारक गैसें हवा में मिलकर पर्यावरण को बुरी तरह प्रदूषित करती हैं, साथ ही कोयला या अपशिष्ट जलाने के बाद बचने वाले अवशेषों के निबटारे की भी बड़ी चुनौती मौजूद रहती है। हालांकि भारत में थर्मल पावर स्टेशनों में बिजली पैदा करने के लिए कोयले के अलावा ऊर्जा के अन्य स्रोतों का भी इस्तेमाल किया जाता है किन्तु अधिकांश बिजली कोयले के इस्तेमाल से ही पैदा होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार कोयले को जलाया जाना और इससे होने वाली गर्मी, पारे के प्रदूषण का मुख्य कारण है। विश्वभर में करीब चालीस फीसदी बिजली कोयले से प्राप्त होती है जबकि भारत में करीब साठ फीसदी बिजली कोयले से, सोलह फीसदी अक्षय ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा तथा बायो गैस से, चौदह फीसदी पानी से, आठ फीसदी गैस से, 1.8 फीसदी न्यूक्लियर ऊर्जा से तथा 0.3 फीसदी डीजल से पैदा होती है। वैसे बिजली पैदा करने के लिए भले ही ऊर्जा के किसी भी स्रोत का इस्तेमाल किया जाए, प्रत्येक थर्मल पावर प्लांट में इसके लिए बॉयलर का इस्तेमाल होता है, जिसमें ईंधन को जलाकर ऊष्मीय ऊर्जा पैदा की जाती है, जिससे पानी को गर्म कर भाप बनाई जाती है, जो टरबाइनों को चलाने में इस्तेमाल होती है। आज दुनियाभर में वायु प्रदूषण एक बड़े स्वास्थ्य संकट के रूप में उभर रहा है और इस समस्या के लिए थर्मल पावर प्लांटों से निकलने वाला उत्सर्जन भी एक बड़ा कारण है। इस समस्या से निपटने के लिए एक दशक से भी अधिक समय से उत्सर्जन मानकों को पूरा करने और नए कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को रोककर अक्षय ऊर्जा की तरफ कदम बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट भी इन उत्सर्जन मानकों को पूरा करने के लिए समय सीमा निर्धारित करता रहा है किन्तु थर्मल पावर प्लांट के लिए उत्सर्जन मानकों को लागू करने का मामला वर्षों से अधर में लटका है। पर्यावरण पर कार्यरत कुछ संस्थाओं द्वारा मांग की जा रही है कि पर्यावरण मंत्रालय उत्सर्जन मानकों का पालन कराते हुए थर्मल पावर प्लांटों को प्रदूषण के लिए उत्तरदायी बनाए और अक्षय ऊर्जा के लक्ष्य को हासिल करने के लिए नए थर्मल पावर प्लांटों का निर्माण रोका जाए। माना जा रहा है कि उत्सर्जन मानकों का पालन करने में देरी के चलते सालभर में 70 हजार से ज्यादा मौतें समय पूर्व हो रही हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्यरत संस्था ग्रीनपीस के अनुसार अगर उत्सर्जन मानकों को समय से लागू किया जाता तो सल्फर डाईऑक्साइड में 48 फीसदी, नाइट्रोडन डाई ऑक्साइड में 48 फीसदी और पीएम उत्सर्जन में 40 फीसदी तक की कमी की जा सकती थी, जिससे समय पूर्व हो रही इन मौतों से बचा जा सकता था। थर्मल पावर प्लांटों में बिजली बनाए जाने के लिए कोयला जलाने के दौरान उससे बनी राख का 10 फीसदी से भी अधिक हिस्सा चिमनियों के जरिये धुएं के साथ ही वातावरण में घुल जाता है, जो गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं का कारण बनता है। बहरहाल, आज जिस प्रकार दुनियाभर में पर्यावरणीय खतरों के मद्देनजर थर्मल पावर प्लांटों में कोयले के इस्तेमाल पर रोक लगाते हुए सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोतों का उपयोग किया जा रहा है, ऐसे में भारत को भी कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांट के बजाय क्लीन और ग्रीन एनर्जी को प्रोत्साहन देना चाहिए। समय के साथ अब जरूरत इसी बात की है कि दूसरे देशों की भांति हम भी अक्षय ऊर्जा की ओर कदम बढ़ाएं और बिजली बनाने के लिए चरणबद्ध तरीके से ऊर्जा के इन्हीं सुरक्षित स्रोतों के इस्तेमाल को बढ़ावा दें।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईएमएफए का जून तिमाही का शुद्ध लाभ चार गुना होकर 99.9 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली. इंडियन मेटल्स एंड फेरो अलॉयज (आईएमएफए) का जून तिमाही का शुद्ध मुनाफा चार गुना होकर 99.09 करोड़ रुपये हो गया। आय बढ़ने से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है। आईएमएफए ने एक नियामकीय सूचना में यह जानकारी दी। इससे पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी ने 24.82 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान, कंपनी की कुल आय एक साल पहले के 422.29 करोड़ रुपये से बढ़कर 541.91 करोड़ रुपये हो गई। पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 383.93 करोड़ रुपये के मुकाबले समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का कुल खर्च 405.29 करोड़ रुपये रहा। एक बयान में, कंपनी के प्रबंध निदेशक, सुभ्रकांत पांडा ने कहा, ''पहली तिमाही का प्रदर्शन असाधारण रहा है जो स्थिर परिचालन और वैश्विक स्तर पर कीमतों में तेजी से प्रेरित है।'' भुवनेश्वर (ओडिशा) मुख्यालय वाली आईएमएफए 2.84 लाख टन की वार्षिक क्षमता के साथ मूल्यवर्धित फेरो क्रोम की भारत का अग्रणी पूर्ण एकीकृत उत्पादक है।

असम के छोटे चाय उत्पादकों की अपनी फसल के लिए MSP की मांग

गुवाहाटी: असम के छोटे चाय उत्पादकों ने राज्य सरकार से उनकी उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तय करने की मांग की है। एक बयान में कहा गया है कि छोटे उत्पादकों को अपने उत्पादन पर काफी कम कीमत मिलती है और यह मुद्दा काफी समय से लंबित है। छोटे चाय उत्पादक अपनी फसल बॉट लीफ फैक्टरीज (बीएलएफ) को बेचते हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री चंद्र मोहन पटवारी के साथ बृहस्पतिवार को बैठक में छोटे चाय उत्पादकों के संघों के प्रतिनिधियों ने यह मुद्दा उठाया। उन्होंने राज्य सरकार से उनकी चाय पत्तियों के लिए उचित मूल्य या न्यूनतम दर तय करने का आग्रह किया है। मंत्री ने चाय उत्पादकों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्या का जल्द हल किया जाएगा। उन्होंने कहा, चाय पत्तियों की गुणवत्ता या उचित मूल्य से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

असम के छोटे चाय उत्पादकों की अपनी फसल के लिए एमएसपी की मांग

-चाय उत्पादकों को समस्या का जल्द हल किया जाएगाचंद्र मोहन पटवारी

गुवाहाटी। असम के छोटे चाय उत्पादकों ने राज्य सरकार से उनकी उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तय करने की मांग की है। एक बयान में कहा गया है कि छोटे उत्पादकों को अपने उत्पादन पर काफी कम कीमत मिलती है और यह मुद्दा काफी समय से लंबित है। छोटे चाय उत्पादक अपनी फसल बॉट लीफ फैक्टरीज (बीएलएफ) को बेचते हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री चंद्र मोहन पटवारी के साथ बैठक में छोटे चाय उत्पादकों के संघों के प्रतिनिधियों ने यह मुद्दा उठाया। उन्होंने राज्य सरकार से उनकी चाय पत्तियों के लिए उचित मूल्य या न्यूनतम दर तय करने का आग्रह किया है। मंत्री ने चाय उत्पादकों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्या का जल्द हल किया जाएगा। उन्होंने कहा, चाय पत्तियों की गुणवत्ता या उचित मूल्य से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

जिम्मेदारी से कर अदा करने वाले ईमानदार करदाताओं को सम्मान मिलना चाहिएः सीतारमण

(एजेंसी):

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि ईमानदार करदाताओं को जिम्मेदारी से अपने कर का भुगतान करने के लिए सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने विभिन्न सुधारों के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए आयकर विभाग की सराहना की। वित्त मंत्री ने 161वें आयकर दिवस पर आयकर विभाग को दिए अपने संदेश में विभिन्न प्रक्रियाओं के सरलीकरण के लिए काम करने को लेकर विभाग की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रक्रियाओं के सरलीकरण से विभाग का कामकाज अड़चन मुक्त, पक्षपात रहित और पारदर्शी हुआ है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, वित्त मंत्री ने कहा कि ईमानदार करदाताओं का राष्ट्र की प्रगति में उनके योगदान के लिए सम्मान किया जाना चाहिए। सीतारमण ने महामारी के कारण पैदा हुई मुश्किलों के बावजूद अनुपालन की प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए भी करदाताओं की सराहना की। वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि विभाग की ज्यादातर प्रक्रियाएं और अनुपालन की जरूरतें अब ऑनलाइन माध्यम पर स्थानांतरित हो गई हैं तथा करदाताओं के लिए कर कार्यालय आने की जरूरत लगभग समाप्त हो गई है या काफी सीमित रह गई है। राजस्व सचिव तरुण बजाज ने भी खुद को अर्थव्यवस्था में आए बदलावों के अनुरूप ढालने के लिए आयकर विभाग की सराहना की। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन जे बी महापात्रा ने राजस्व कमाने वाली इकाई तथा करदाता सेवाप्रदाता की दोहरी भूमिका निभाने के लिए कर अधिकारियों की सराहना की।

आईसीआईसीआई बैंक का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 52% बढ़कर 4,747.42 करोड़ रुपए पर

मुंबई: निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक का चालू वित्त वर्ष की जून में समाप्त पहली तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 52 प्रतिशत बढ़कर 4,747.42 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। संपत्ति के लिहाज से निजी क्षेत्र के इस दूसरे सबसे बड़े बैंक ने एकल आधार पर पहली तिमाही में 4,616.02 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया है जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही से 77 अधिक है। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में बैंक ने कहा कि तिमही के दौरान उसकी कुल आय घटकर 24,379 करोड़ रुपए रह गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 26,067 करोड़ रुपए रही थी। तिमाही के दौरान बैंक का कुल प्रावधान 2,852 करोड़ रुपए रहा, जो एक साल पहले समान अवधि में 7,594 करोड़ रुपए रहा था।

दूरसंचार कंपनियों पर बकाया एजीआर भविष्य में किसी मुकदमे का विषय नहीं हो सकता : उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली, उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि वोडाफोन आइडिया और भारती एयरटेल सहित दूरसंचार कंपनियों पर बकाया समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) भविष्य में किसी भी मुकदमे का विषय नहीं हो सकता है। न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली पीठ ने एजीआर की गणना में कथित त्रुटियों को दूर करने की मांग से जुड़ी दूरसंचार कंपनियों की याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि एजीआर से संबंधित विवाद काफी लंबे समय से अदालतों में लंबित रहा है और दूरसंचार सेवा प्रदाताओं पर बकाया राशि को लेकर आगे किसी भी मुकदमे में विचार नहीं किया जाएगा। फैसले में कहा गया कि दूरसंचार सेवा प्रदाताओं पर बकाया एजीआर राशि में बदलाव करने से जुड़ी किसी भी याचिका को मंजूरी देने से जुड़े उच्चतम न्यायालय के एक सितंबर, 2020 के पिछले फैसले पर पुनर्विचार को लेकर संदेह की कोई गुंजाइश नहीं है। दूरसंचार कंपनियों ने अपनी याचिका में एजीआर की पुनर्गणना की मांग करते हुए कहा था कि गणना में अंकगणितीय 'त्रुटियों' को ठीक किया जाए। उनका कहना था कि गणना में प्रवृष्टियों को दोहराया भी गया है।

कोविड के बढ़ते मामले को देखते हुए इक्विटी इंडेक्स पर लगा कॉशन

मुंबई (एजेंसी)।

भारत के प्रमुख इक्विटी सूचकांकों के आने वाले सप्ताह में वैश्विक स्तर पर कोविड के बढ़ते मामलों और यूएस फेड के दर संबंधी निर्णयों के मद्देनजर सावधानी बरतने की उम्मीद है। हालांकि, मजबूत तिमाही नतीजों की उम्मीदों के साथ-साथ त्वरित आर्थिक सुधार की उम्मीद से बाजार में निवेशकों की दिलचस्पी बनी रहेगी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में रिटेल रिसर्च के प्रमुख दीपक जसानी ने कहा, यूएस फेड की ब्याज दर और कोरोनावायरस और इसके प्रकारों के प्रसार में प्रगति पर ध्यान दिया जाएगा। निफ्टी ने पिछले सप्ताह की तुलना में साप्ताहिक चार्ट पर निचला ऊपरी निचला तल बनाया है। इसलिए 15,962 प्रतिरोध भविष्य की दिशा का एक महत्वपूर्ण निर्धारक बन जाता है। इसके अलावा, जसानी ने उद्धृत किया कि जब तक इस स्तर (15,962) का उल्लंघन नहीं किया जाता है, तब तक बाजार, क्षेत्र और स्टॉक रोटेशनल प्रॉफिट ले सकते हैं। इसके अलावा, आने वाले सप्ताह में आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, एलएंडटी, टाटा मोटर्स, कोटक बैंक, डॉ रेड्डीज, मारुति सुजुकी सेक्यू1वित्तीय वर्ष22 कॉर्पोरेट परिणाम जारी होंगे। सिद्धार्थ खेमका, हेड (रिटेल रिसर्च, ब्रोकिंग एंड डिस्ट्रीब्यूशन) ने कहा, क्यू1 का परिणाम सीजन अब तक उम्मीद से बेहतर रहा है - जिससे सेक्टर या स्टॉक विशिष्ट कार्रवाई हो रही है - जो निकट भविष्य में भी जारी रहने की संभावना है। , मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज। इसके अलावा यह निवेशकों को प्रबंधन टिप्पणियों के माध्यम से आर्थिक सुधार के पैमाने में कुछ अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकता है। पिछले हफ्ते, भारत के इक्विटी इंडेक्स उच्च अस्थिरता के बाद मामूली नुकसान के साथ समाप्त हुए क्योंकि डेल्टा वेरिएंट के मामलों में वृद्धि ने वैश्विक स्तर पर जोखिम की भूख को प्रभावित किया। एमके वेल्थ मैनेजमेंट के अनुसंधान प्रमुख जोसेफ थॉमस के अनुसार, आने वाले सप्ताह में, कॉर्पोरेट आय पर ध्यान देना जारी रहेगा, क्योंकि बाजार सहभागियों ने पिछले कुछ कमाई के दौरान देखी गई कमाई उन्नयन की स्थिरता को मापने की कोशिश की है। देखने के लिए एक अन्य कारक अमेरिका में और यूरोप के कुछ हिस्सों में भी डेल्टा संस्करण के मामलों में वृद्धि है। इसके अलावा, जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि आगामी सप्ताह वैश्विक भावनाओं से प्रेरित होगा। रिपोर्टरें के अनुसार, फेड अपनी आसान-पैसा नीति पर विचार-विमर्श करने के लिए तैयार है और अगले साल बंधक-समर्थित प्रतिभूतियों पर जोर देने के साथ परिसंपत्ति खरीद को वापस लेना शुरू कर देगा।

गो फर्स्ट ने जम्मू से दिल्ली के लिए पहली रात की उड़ान संचालित की

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बजट एयरलाइन गो फर्स्ट ने जम्मू से दिल्ली के लिए पहली रात की उड़ान का संचालन किया है। इस एयरलाइन को पहले गोएयर के नाम से जाना जाता था। तदनुसार, उड़ान जी8 196 ने रात 8 बजे उड़ान भरी। शुक्रवार को और एयरबस ए320नियो पर संचालित किया गया था। गो फर्स्ट आगे बढ़ते हुए जम्मू से दिल्ली और श्रीनगर के लिए निर्धारित उड़ान संचालित करेगी। यह केंद्र शासित प्रदेश के लिए एक नए युग की शुरुआत है, जिसने लंबे समय से देश के बाकी हिस्सों के साथ बेहतर कनेक्टिविटी के लिए रात की उड़ानों की शुरुआत की वकालत की है। विशेष रूप से, एयरलाइन, सोमवार, मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को जम्मू से दिल्ली के लिए सप्ताह में चार उड़ानें और जम्मू से बुधवार, शुक्रवार और रविवार को श्रीनगर के लिए तीन उड़ानें संचालित करेगी। गो फर्स्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कौशिक खोना के अनुसार, यह पहल कृषक समुदाय की सहायता करेगी और पर्यटन क्षेत्र को भी मजबूत करेगी, जो क्षेत्र के आर्थिक विकास में एक प्रमुख भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा, हम बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करना जारी रखेंगे और जम्मू-कश्मीर के आर्थिक विकास में भूमिका निभाएंगे। गो फर्स्ट जम्मू और कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेशों में जम्मू से दिल्ली और श्रीनगर के लिए उड़ानों की संख्या को बढ़ाकर नेटवर्क को मजबूत कर रहा है। इस साल की शुरुआत में, वाहक ने प्रतिस्पर्धी दरों पर अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में खराब होने वाली बागवानी और कृषि उपज के परिवहन के लिए जम्मू-कश्मीर सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। एयरलाइन ने कहा कि यह क्षेत्र के किसानों के लिए एक वरदान है और उन्हें अपनी उपज के लिए एक मनचाहा रिटर्न उत्पन्न करने में सहायता कर रहा है।

तमिलनाडु में औद्योगिक पार्क के निर्माण में 837 करोड़ रुपए का निवेश करेगी अविग्ना

नई दिल्ली: अविग्ना इंडस्ट्रियल एंड लॉजिस्टिक्स पार्क तमिलनाडु में औद्योगिक पार्क विकसित करने के लिए 837 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। अविग्ना ने शनिवार को बयान में कहा कि कंपनी ने राज्य में 837 करोड़ रुपए के निवेश के लिए तमिलनाडु सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है। समझौते पर अविग्ना समूह के प्रबंध निदेशक राजशेखरन एस एवं कार्यकारी निदेशक अभिजीत वर्मा और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने हस्ताक्षर किए। अविग्ना आने वाले वर्षों में तमिलनाडु के विभिन्न हिस्सों में आधुनिक औद्योगिक विकास पार्क विकसित करने के लिए इस प्रस्तावित निवेश का इस्तेमाल करेगी। अविग्ना समूह के कार्यकारी निदेशक और सीईओ अभिजीत वर्मा ने कहा, 'हमें राज्य सरकार के साथ इस सहयोग की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है और हम न केवल औद्योगिक पार्क विकसित करने बल्कि रोजगार के अवसर पैदा करके राज्य के लोगों के लिए आर्थिक विकास लाने के लिए भी उत्साहित हैं।'

भारत में स्टार्टअप क्रांति को पंख लगेंगे IPO सः अमिताभ कांत

नई दिल्ली (एजेंसी):

नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमिताभ कांत ने शुक्रवार को कहा कि डिजिटल प्रौद्योगिकी ने भारत में स्टार्टअप के लिए उर्वराशक्ति प्रदान की है और आईपीओ से (प्राथमिक शेयर बाजार की पूंजी से) देश में स्टार्टअप क्रांति को पंख लगेंगे। कांत नवोन्मेष आधारित उद्यमिता पर एक ऑनलाइन आयोजन को संबोधित कर रहे थे। इसका आयोजन इनोवेशन वेंचरिंग एंड आंत्रेप्रेन्यूरशिप इन इंडिया नेटवर्क (आईवेइन) नाम के संगठन ने किया था। उन्होंने कहा कि 17 शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तीव्र डिजटलीकरण की दृष्टि से भारत दूसरे स्थान पर चल रहा है। उन्होंने कहा, 'आईपीओ (प्रथम सार्वजनिक निर्गमों) से हमारी स्टार्टअप क्रांति को पंख लगेगा। भारतीय स्टंअप इकाइयां भारत के बाजारों से भारत की जनता से पूंजी जुटाएंगी।% उन्होंने कहा, ''यह स्थिति वास्तविक आत्मनिर्भर भारत की स्थिति होगी। डिजटलीकरण ने भारत में स्टार्टअप परिस्थितिकी तंत्र को स्फूर्ति प्रदान की है।%% नीति आयोग के सीईओ का यह बयान ऐसे समय आया है जबकि जोमैटो का शेयर शुक्रवार को ही भारतीय शेयर बाजर में जोरदार कामयाबी के साथ सूचीबद्ध हुआ है। रेस्त्रां भोजन-पार्सल की ऐप की मदद से बुकिंग और वितरण करने वाली कंपनी जोमैटो का शेयर 76 रुपए के आवंटन मूल्य की तुलना में 66 प्रतिशत चढ़ कर बंद हुआ। 2008 में बनी इस कंपनी का बाजार पूंजीकरण करीब एक लाख करोड़ रुपए हो गया है। इसके शेयर को पिछले सप्ताह 38 गुना अभिदान मिला था। कांत ने कहा कि सफलता की दिशा में भारत जैसे विविधापूर्ण देश में 1.3 लोगों तक पहुंचने के लिए योजना बना कर उसे तेजी से लागू करने और उसके विस्तार की क्षमता बड़ा मायने रखेगी।

जरूरी चिकित्सा उपकरणों पर व्यापार मार्जिन सीमित किए जाने के बाद करीब 620 उत्पादों के दाम घटे

नयी दिल्ली (एजेंसी),

सरकार द्वारा कोविड-19 के इलाज एवं रोकथाम में व्यापक रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले पल्स ऑक्सीमीटर और डिजिटल थर्मामीटर जैसे पांच जरूरी चिकित्सा उपकरणों पर व्यापार लाभ या मार्जिन को 70 प्रतिशत पर सीमित करने के साथ अब तक करीब 620 ब्रांडों की कीमतों में कमी आयी है। रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि यह सीमा 20 जुलाई से लगायी गयी है। गत 13 जुलाई को राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने औषधि मूल्य नियंत्रण आदेश (डीपीसीओ), 2013 के पैरा 19 के तहत मिले असाधारण अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए पांच चिकित्सा उपकरणों - ऑक्सीमीटर, ग्लूकोमीटर, बीपी मॉनिटर, नेबुलाइजर और डिजिटल थर्मामीटर के व्यापार मार्जिन पर सीमा लगा दी थी। प्राइस टू डिस्ट्रिब्यूटर (पीटीडी) या वितरक को मिलने वाली कीमत के स्तर पर लाभ को 70 प्रतिशत तक सीमित किया गया था। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'इसके अनुसार, 23 जुलाई, 2021 तक इन चिकित्सा उपकरणों के कुल 684 उत्पादों/ब्रांडों की रिपोर्ट की गई है और 620 उत्पादों/ब्रांडों (91 प्रतिशत) ने अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) में कमी की जानकारी दी है।' पल्स ऑक्सीमीटर के एक आयातित ब्रांड द्वारा अधिकतम कमी की जानकारी दी गयी है। इसमें प्रति इकाई 2,95,375 रुपये की कमी देखी गई है। मंत्रालय ने कहा कि सभी श्रेणियों में आयातित और घरेलू ब्रांडों ने एमआरपी कम करने की जानकारी दी है। आयातकों ने कीमतों में सबसे ज्यादा कमी पल्स ऑक्सीमीटर, ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग मशीन और नेबुलाइजर पर की है। रसायन और उर्वरक मंत्री मनसुख एल मंडाविया ने ट्विटर पर लिखा, 'व्यापक जनहित में, सरकार ने 20 जुलाई से प्रभावी, पांच चिकित्सा उपकरणों के लिए व्यापार लाभ को सीमित कर दिया है। इससे चिकित्सा उपकरणों की कीमतों में भारी कमी आएगी।'

स्पेंसर रिटेल के चेयरमैन ने कहा, खुदरा विक्रेताओं के लिए अवसर पैदा कर रहा ई-कॉमर्स क्षेत्र

नयी दिल्ली (एजेंसी),

स्पेंसर रिटेल के चेयरमैन संजीव गोयनका ने कहा कि ई-कॉमर्स की बढ़ते दायरे से हर खुदरा विक्रेता के लिए अवसर पैदा हो रहे हैं और बढ़ती आय, अनुकूल जनसांख्यिकी और बढ़ते शहरीकरण के सहारे उद्योग के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण सकारात्मक दिख रहा है। स्पेंसर रिटेल की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, रिटेल का भविष्य 'ओमनी-चैनल' दृष्टिकोण में निहित है, जिसका अर्थ है स्टोर और ऑनलाइन दोनों के माध्यम से बिक्री का एकीकरण करना।रिपोर्ट में कहा गया कि इसके अलावा, महामारी के बाद उपभोक्ता जीवनशैली में 'व्यापक बदलाव' आया है, जिससे उपभोग की नयी चीजों का उदय हुआ है जबकि कुछ दूसरी चीजों का महत्व 'कम' हो गया है। गोयनका ने शेयरधारकों के नाम अपने संदेश में कहा, 'ई-कॉमर्स का बढ़ते दायरे से हर खुदरा विक्रेता के लिए अवसर पैदा हो रहे हैं और यह प्रवृत्ति जारी रहने की संभावना है। खुदरा विक्रेता डिजिटल माध्यमों (ई-कॉमर्स) का लाभ उठा सकते हैं ताकि वे ज्यादा उपभोक्ताओं तक पहुंच सकें।' गोयनका ने साथ ही अपनी कंपनी के ई-कॉमर्स कारोबार को लेकर कहा कि इसने ऑनलाइन क्षेत्र में कई गुना वृद्धि दर्ज की है। उन्होंने कहा, 'एक विशाल अवसर है, जो न केवल तेज वृद्धि कर रहे मौजूदा मॉडल के जरिये मिल रहा है बल्कि यह कई उत्पादों, बाजारों एवं नये भौगोलिक क्षेत्रों को जोड़कर और वृद्धि कर सकता है।'

अल्फाबेट ने नई रोबोटिक्स सॉफ्टवेयर कंपनी इंट्रिंसिक की घोषणा की

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट ने इंट्रिंसिक नाम की एक नई कंपनी की घोषणा की है, जो औद्योगिक रोबोट के लिए सॉफ्टवेयर बनाने पर ध्यान देगी। इंट्रिंसिक लाखों और व्यवसायों, उद्यमियों और डेवलपर्स के लिए औद्योगिक रोबोटिक्स की रचनात्मक और आर्थिक क्षमता को अनलॉक करने के लिए काम कर रहा है। सीईओ वेंडी टैन-व्हाइट ने एक बयान में कहा, हम औद्योगिक रोबोट (जो सौर पैनलों से लेकर कारों तक सब कुछ बनाने के लिए उपयोग किए जाते हैं) को उपयोग में आसान, कम खर्चीला और अधिक लचीला बनाने के लिए डिजाइन किए गए सॉफ्टवेयर टूल विकसित कर रहे हैं ताकि अधिक लोग उनका उपयोग नए उत्पादों, व्यवसायों और सेवाओं को बनाने के लिए कर सकें। उन्होंने कहा,इन अविश्वसनीय उत्पादकता उपकरणों तक पहुंच को अनलॉक करके, हम चीजों को बनाने के अधिक टिकाऊ और न्यायसंगत तरीके की ओर एक बदलाव का समर्थन करने की उम्मीद करते हैं। फिलहाल सिर्फ10 देश दुनिया के 70 फीसदी सामान का निर्माण करते हैं। इसका मतलब है कि ज्यादातर चीजें अपने अंतिम उपभोक्ताओं से बहुत दूर हैं, जो वैश्विक परिवहन उत्सर्जन को बढ़ावा देती हैं और कई देश और व्यवसाय आर्थिक अवसरों से चूक जाते हैं। द वर्ज के अनुसार, रोबोटिक्स वर्षों से गूगल पर एक जुनून रहा है। लेकिन कंपनी के प्रयासों को फोकस नहीं किया गया है और अभी तक कोई व्यावसायिक हिट नहीं है। 2013 में, गूगल ने रोबोट के लिए खरीदारी की होड़ शुरू की, लगभग छह महीनों में सात कंपनियों को खरीदा, जिसमें शाफ्ट (द्विपाद बॉट्स के लिए जानी जाने वाली एक जापानी फर्म), बॉट एंड डॉली (बहुत अच्छे वायरल वीडियो के निमार्ता), और बोस्टन डायनेमिक्स (जिसे जरूरत है) कोई परिचय नहीं) इस प्रयास को रेप्लिकेंट नाम दिया गया था और इसका नेतृत्व एंडी रुबिन ने किया था, जो एक कार्यकारी था जिसने एंड्रॉइड मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम की सह-स्थापना की थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंग्लैंड टेस्ट श्रंखला में भेजे जा सकते हैं पृथ्वी शॉ, सूर्यकुमार यादव और जयंत यादव

नई दिल्ली । देश में इन दिनों इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज की की तैयारी चल रही है। दरअसल, क्रिकेट टीम एक ही समय पर दो अलग-अलग देशों में खेल रही है। एक टीम विराट कोहली की कप्तानी में इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज की तैयारी में है तो वहीं दूसरी तरफ एक टीम की कमान शिखर धवन के हाथों में है। श्रीलंका में तो भारत ने वनडे सीरीज जीत ली है और अब उनकी निगाहें टी-20 सीरीज जीत पर है। लेकिन इंग्लैड से भारत के लिए खबर अच्छी नहीं आ रही है। पहले सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को चोट के कारण स्वदेश लौटना पड़ा। अब भारत को एक साथ दोहरा झटका लगा है। नेट गेंदबाज के रूप में गए तेज गेंदबाज आवेश खान और ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर भी चोट के कारण अगस्त में इंग्लैंड के खिलाफ हो वाली पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं। अब खबर आ रही है कि पृथ्वी शॉ, सूर्यकुमार यादव और जयंत यादव को सीरीज से बाहर हुए खिलाड़ियों के विकल्प के तौर पर इंग्लैंड भेजा जा सकता है। मीडिया के अनुसार पृथ्वी शॉ, सूर्यकुमार यादव और जयंत यादव को इंग्लैंड भेजा जा सकता है। चूंकि आवेश खान नेट गेंदबाज के रूप में गए थे, इसलिए उनके बदले किसी खिलाड़ी को नहीं भेजा जाएगा। आवेश और सुंदर दोनों ही ऊंगली की चोट से जुझ रहे हैं।

पूरा हुआ मेरा सपना : मीराबाई चानू

नई दिल्ली।

टोक्यो ओलंपिक में भारोत्तोलन के 49 किग्रा स्पर्धा में रजत पदक के साथ भारत को शानदार सफलता दिलाने वाली मीराबाई चानू ने कहा है कि ओलंपिक में पदक जीतने का उनका सपना पूरा हो गया है।मीराबाई ने शनिवार को भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा आयोजित एक वर्चुअल मीटिंग में कहा, अपार खुशी है। ओलिंपिक में मेडल लेने का सपना आज पूरा हो गया।मीराबाई ने स्वीकार किया कि 2016 रियो ओलंपिक में अपनी लिफ्ट खत्म नहीं करने में विफलता ने उन्हें और अधिक प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। चानू ने कहा, मैंने रियो के लिए वास्तव में कड़ी मेहनत की थी, लेकिन बुरी तरह असफल रही। वह मेरा दिन नहीं था। तब मैंने फैसला किया कि मैं देश के लिए ओलंपिक पदक जीतने के अपने सपने को पूरा करूंगी। जो मैं रियो में नहीं कर सकी, मैंने कवर किया यह टोक्यो ओलंपिक कर दिखाया। टोक्यो में, जहां मैं अभी हूं, यह रियो की वजह से है। यहां तक पहुंचने में बहुत मेहनत करनी पड़ी। 2000 सिडनी ओलंपिक में 69 किग्रा वर्ग में कर्णम मल्लेश्वरी के कांस्य के बाद ओलंपिक में भारोत्तोलन में मीराबाई का रजत भारत का दूसरा पदक है। मीराबाई के कोच विजय शर्मा ने पिछले पांच वर्षों में अपने कार्यक्रम को कुछ तरह सारांशित किया, खाना, सोना और ट्रेनिंग के अलावा कोई दूसरा काम नहीं किया। शर्मा ने कहा, रियो की विफलता के बाद, मुझ पर बहुत दबाव था। उस झटके ने हमें दिखाया कि हमें कड़ी मेहनत करने और अधिक दृढ़ होने की जरूरत है। मैंने उस पाठ के साथ काम किया और मीरा ने मुझे पूरा समर्थन दिया। लेकिन यात्रा इसके बाद (रियो 2016)), प्रशिक्षण तकनीक बदली गई और (हमें) 2017 के बाद परिणाम मिले। ओलंपिक योग्यता के 2.5 साल और कोरोना के 1.5 साल थे। लेकिन यात्रा का परिणाम यहां (पोडियम पर) पहुंचकर मिल चुका है। शर्मा की बात को मान्य करने के लिए मीराबाई ने पिछले पांच वर्षों में सिर्फ पांच दिनों के लिए घर जाने की बात कही। मीरा ने कहा, बलिदान बहुत रहा है। (मैंने) प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित किया है। पिछले पांच वर्षों में, केवल पांच दिनों के लिए घर गई। कुछ अलग नहीं खाया क्योंकि मुझे पता था कि मुझे पदक जीतना है। शर्मा ने उन गुणों के बारे में बात की जो मीराबाई से पहली बार मिलने पर सामने आए। शर्मा ने कहा, एक टीम के रूप में, मैंने 2014 से उनके साथ काम करना शुरू किया। एक समूह में कई छात्रों के साथ काम किया है लेकिन मीरा के साथ जो अलग था वह था उनका अनुशासन और दृढ़ संकल्प। उनमें कुछ हासिल करने की इच्छा अन्य छात्रों की तुलना में अधिक थी। वे गुण, जो अद्वितीय थे। उन्होंने मेरी आंख को पकड़ लिया। उसने जो कुछ भी हासिल किया है, वह कड़ी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प से आया है।

ओलंपिक (बैडमिंटन): सात्विक और चिराग दूसरे दौर में, प्रणीत को मिली हार

टोक्यो।

भारत के सात्विक साईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शट्टी की जोड़ी यहां जारी टोक्यो ओलंपिक की बैडमिंटन स्पर्धा के युगल वर्ग के दूसरे दौर में पहुंच गई जबकि बी. साई प्रणीत को पुरुषों की एकल स्पर्धा के पहले ही दौर में हार मिली। सात्विक और चिराग ने शनिवार को खेले गए अपने पहले दौर के मुकाबले में चीनी ताइपे के ची लिन वान और यांग ली को हराया। सात्विक और चिराग ने ग्रुप ए में 69 मिनट तक चले इस मुकाबले को 21-16, 16-21, 27-25 से जीता। पुरुष एकल वर्ग में हालांकि, भारत को निराशा मिली और प्रणीत को मिसा जिलबरमन ने 40 मिनट तक चले मुकाबले में 21-17, 21-15 से हराया। 2019 में बासेल में आयोजित विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाले प्रणीत को इस इवेंट के लिए 13वीं सीड मिली थी लेकिन वह एक गैरवरीय खिलाड़ी से 0-2 से हार गए। युगल वर्ग में भारतीय जोड़ी ने पहला गेम जीता लेकिन फिर चीनी ताइपे की जोड़ी ने वापसी की। फाइनल गेम में दोनों जोड़ियों के बीच कांटे का मुकाबला चला लेकिन अंततः भारतीय जोड़ी ने जीत दर्ज की। हर ग्रुप से शीर्ष की दो टीम क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करेगी।

युवा चीनी निशानेबाज ने 10 मीटर एयर राइफल में चीन को दिलाया पहला स्वर्ण पदक

नई दिल्ली । युवा चीनी निशानेबाज यांग कियान ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में विजयी होकर तोक्यो ओलिंपिक खेलों का पहला स्वर्ण पदक हासिल किया है। भारत की शीर्ष निशानेबाजों अपूर्वी चंदेला और इलावेनिल वलारिवन इश इवेंट के फाइनल में भी जगह नहीं बना पाई। रूस की अनास्तासिया गैलाशिना ने रजत और स्विट्जरलैंड की नीना क्रिस्टन ने कांस्य पदक जीता। क्वालीफिकेशन में 628.7 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहू यांग ने फाइनल में 251.8 अंक हासिल किए। रूसी अनास्तासिया के 251.1 अंकों से बेहतर प्रदर्शन कर यांग ने अपने देश का स्वर्णिम खाता खोला। इसके पहले, नॉर्वे की जेनेट हेग डुएस्टैड ने 632.9 अंकों के साथ क्वालीफाइंग स्टैंडिंग में शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया था, जो एक योग्यता ओलंपिक रिकॉर्ड (क्यूओआर) था। जेनेट हालांकि फाइनल में चौथे स्थान पर रहीं। जहां तक अपूर्वी और इलावेनिल की बात है तो क्वालीफिकेशन में 626.5 अंकों के साथ इलावेनिल 16वें स्थान पर रहीं जबकि अपूर्वी को 621.9 अंकों के साथ 50 खिलाड़ियों के बीच निराशानजक 34वां स्थान मिला। इस इवेंट का विश्व रिकार्ड अब भी अपूर्वी के ही नाम है। अपूर्वी ने 2019 में 252.9 अंकों के साथ रिकार्ड कायम किया था।

नागल ओलंपिक में एकल मैच जीतने वाले तीसरे भारतीय बने

स्पोर्ट्स डेस्क।

सुमित नागल ओलंपिक में 25 साल में पुरूष एकल स्पर्धा में जीत दर्ज करने वाले तीसरे भारतीय टेनिस खिलाड़ी बन गए जिन्होंने तोक्यो खेलों में डेनिस इस्तोमिन को तीन सेटों में हराया। नागल ने दो घंटे 34 मिनट तक चले मैच में इस्तोमिन को 6 . 4, 6 . 7, 6 . 4 से मात दी। अब उनका सामना दूसरे दौर में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव से होगा। जीशान अली ने सियोल ओलंपिक 1988 की टेनिस पुरूष एकल स्पर्धा में पराग्वे के विक्टो काबालेरो को हराया था। उसके बाद लिएंडर पेस ने ब्राजील के फर्नांडो मेलिजेनी को हराकर अटलांटा ओलंपिक 1996 में कांस्य पदक जीता था। पेस के बाद से कोई भारतीय खिलाड़ी ओलंपिक में एकल मैच नहीं जीत सका है। सोमदेव देववर्मन और विष्णु वर्धन लंदन ओलंपिक 2012 में पहले दौर में ही हार गए थे । नागल ओलंपिक से पहले अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं थे। उन्हें पहले सेट के छठे गेम में इस्तोमिन की सर्विस तोड़ने का मौका मिला जो उन्होंने गंवा दिया। इस्तोमिन की सर्विस तोड़कर उन्होंने पहला सेट जीत लिया। दूसरे सेट में भी वह 4 . 1 से आगे थे लेकिन दबाव उन पर हावी हो गया और अपनी सर्विस नहीं बचा सके। इस्तोमिन ने मुकाबला टाइब्रेकर तक खींचा। आखिरी सेट में नागल ने लय बरकरार रखी। लेकिन अब उनका सामना आस्ट्रेलियाई ओपन उपविजेता मेदवेदेव से होगा जिन्होंने कजाखस्तान के अलेक्जेंडर बुबलिक को 6 . 4, 7 . 6 से हराया।

संक्षिप्त समाचार

रजत जीतने पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने चानू को दी बधाई

नई दिल्ली। मीराबाई चानू ने शनिवार को टोक्यो ओलंपिक के दूसरे दिन भारत को पहला पदक दिलाया है। मीराबाई ने 49 किग्रा वर्ग में दूसरा स्थान हासिल किया। मीराबाई की इस सफलता पर राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद और प्रधानमत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई दी है। चानू के पदक जीतते ही राष्ट्रपति ने अपने ट्वीटर हैंडल पर लिखा, भारोत्तोलन में रजत पदक जीतकर टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत के लिए पदक तालिका की शुरूआत करने के लिए मीराबाई चानू को हार्दिक बधाई। प्रधानमंत्री ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा, इससे सुखद शुरूआत के लिए आशा नहीं की जा सकती थी। भारत उत्साहित है। मीराबाई का शानदार प्रदर्शन। भारोत्तोलन में रजत पदक जीतने के लिए उन्हें बधाई। उनकी सफलता हर भारतीय को प्रेरित करती है इस स्पर्धा का स्वर्ण चीन की जीहोई होउ ने जीता है। मीराबाई भरोत्तोलन में पदक जीतने वाली भारत की दूसरी महिला हैं। इससे पहले 2000 के सिडनी ओलंपिक में कर्णम मल्लेश्वरी ने कांस्य पदक जीता था। मीराबाई ने 202 के कुल वजन के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। स्नैच में मीराबाई ने दूसरे प्रयास में 89 और क्लीन तथा जर्क में दूसरे प्रयास में 115 किलो वजन उठाया।

ओलंपिक दिग्गजों ने दिल्ली में ओलंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह के स्क्रीनिंग कार्यक्रम में भारतीय दल का उत्साहवर्धन हुआ

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेलमंत्री अनुराग सिंह ठाकुर और युवा कार्यक्रम और खेल राज्यमंत्री निसिथ प्रमाणिक तथा ओलंपिक दिग्गजों ने दिल्ली में मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) तथा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित ओलंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह की स्क्रीनिंग कार्यक्रम में भारत का उत्साहवर्धन किया। रेल राज्यमंत्री, राव साहेब पाटिल दानवे और दर्शना जरदोश; 4 बार के ओलंपियन योगेश्वर दत्त, भारत की पहली महिला ओलंपिक पदक विजेता कर्णम मल्लेश्वरी; मुक्केबाज अखिल कुमार और सचिव (खेल), रवि मित्तल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच के अनुसार सचीयर 4 इंडिया अभियान के हिस्से के रूप में भारतीय एथलीटों को प्रोत्साहित करने के लिए इस कार्यक्रम में शामिल हुए। भारतीय दल को प्रेरित करने के प्रयास से जुड़े इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से कई गणमान्य हस्तियों एवं एथलीटों ने आभासी माध्यम से भाग लिया। मध्य प्रदेश की खेलमंत्री यशोधरा राजे सिंधिया; हॉकी ओलंपियन और हरियाणा के खेलमंत्री संदीप सिंह (हरियाणा) और ओडिशा के खेलमंत्री तुषार कांति बेहरा देश के विभिन्न हिस्सों से भारतीय दल का समर्थन करने वाले लोगों में शामिल थे। मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि एथलीटों और आयोजकों, दोनों की दृष्टि से टोक्यो ओलंपिक के लिए भारत की राह परीक्षणों और जीत से भरी एक यात्रा जैसी रही है। कई मायनों में, बिल्कुल ओलंपिक खेलों की तरह! मंत्री ठाकुर ने कहा कि हमने दूरदर्शी दृष्टिकोण के साथ खिलाड़ियों और उनके हितों को केंद्र में रखा हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 7 वर्षों में हमने भारत की खेल अवसंरचना को नया रूप दिया है और इसका विस्तार किया गया है। आज छोटे शहरों से उभर रही प्रतिभा पर ध्यान दिया जा रहा है, उनको विकसित किया जा रहा है क्योंकि वे उच्च स्तर पर स्पर्धा के लिए बेहतरीन सुविधाएं और पेशेवर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। ठाकुर ने कहा कि हम देश में खेल की संस्कृति बनाने की दिशा में एक नया दृष्टिकोण लाए हैं।

ओलंपिक अभियान के लिए अश्विनी चौबे ने भारत विजयी भवः का नारा दिया

नई दिल्ली।

टोक्यो ओलंपिक में भाग ले रहे खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए और उनकी सफलता की कामना करते हुए केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य व सार्वजनिक वितरण, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने ओलंपिक अभियान के लिए भारत विजयी भवः का नारा दिया है। दिल्ली में फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पेफी) के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने भारत विजयी भवः स्लोगन के माध्यम से सभी खिलाड़ियों को देशवासियों की तरफ से शुभकामनाएं प्रेषित की। इस मौके पर चौबे ने ओलंपिक में भारोत्तोलन में रजत पदक जीतने वाली भारत की बेटी मीराबाई चानू को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मीराबाई ने पूरे देशवासियों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए काम किया है। देश को मीराबाई पर गर्व है। उन्होंने कहा कि भारत इस बार ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन करेगा। इसकी शुरूआत हो चुकी है। चौबे ने भारत विजयी भवः स्लोगन का लोकार्पण भी किया और सभी खिलाड़ियों को अपने हस्ताक्षर से शुभकामनायें प्रेषित कीं। फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के सचिव डॉक्टर पीयूष जैन ने कहा कि देश भर में पेफी के दवारा विगत 23 जून अन्तराष्ट्रीय ओलिंपिक दिवस के उत्सव समारोह से देश भर में खिलाड़ियों को शुभकामना सन्देश दिए जा रहे हैं। जैन ने कहा, हमारे खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के नेतृत्व में पूरा देश खिलाड़ियों को चीयर कर रहा है। भारत विजयी होगा। इसके लिए पूरे देश भर के शारीरिक शिक्षक और प्रशिक्षक खिलाड़ियों को पेफी के माध्यम से शुभकामनाएं दे रहे है। इस अवसर पर पेफी के राष्ट्रीय सह सचिव डॉ. चेतन कुमार. डॉ. शरद शर्मा, तरुण शर्मा, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष परविंद कुमार, दिल्ली प्रदेश के सचिव पवन त्यागी, गौतम बुद्ध नगर से सर्वेश उपाध्याय, अमर चौहान, तरुण यादव, राजन कुमार पांडे, हरदेव सिंह, उमाशंकर अखारिया, लखनऊ सचिव मुजफ्फर आलम, बब्बू मान, पंकज मिश्रा सहित विभिन्न क्षेत्रों के खिलाड़ी भी सम्मिलित हुए।

ओलंपिक (महिला हॉकी) : नीदरलैंड्स ने भारत को 5-1 से हराया

टोक्यो। विश्व की नम्बर-1 टीम नीदरलैंड्स ने शनिवार को यहां के हॉकी स्टेडियम के नॉर्थ पिच पर खेले गए पूल-ए के मुकाबले में भारत को 5-1 से हरा दिया। नीदरलैंड्स ने मैच शुरू होते ही अपना प्रभाव दिखाया और छठे मिनट में ही गोल करके 1-0 की लीड ले ली। उसके लिए यह गोल फेलिस अल्बर्स ने किया। यह एक शानदार फील्ड गोल था। पहले ही क्वार्टर में भारत ने जोर लगाया और बराबरी करने में सफल रहा। भारतीय कप्तान रानी ने फील्ड गोल के बदले फील्ड गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। यह गोल 10वें मिनट में हुआ। दूसरे क्वार्टर में कोई गोल नहीं हुआ। भारत मजबूत नीदरलैंड्स को रोकने में सफल दिखाई दे रहा था लेकिन तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में 33वें मिनट में मार्गोट गिफिन ने पेनाल्टी कार्नर को गोल में तब्दील कर नीदरलैंड्स को 2-1 से आगे कर दिया। वापसी की खोज में भारत ने तीसरे क्वार्टर में कुछ गलतियां की, जो उसे भारी पड़ गईं। इस क्वार्टर में डच टीम ने दो गोल करते हुए 4-1 की लीड ले ली। भारत के खिलाफ पांचवां गोल चौथे क्वार्टर में हुआ। डच टीम के लिए तीसरा गोल 43वें मिनट में अल्बर्स ने किया और इसके दो मिनट बाद फेडरिक माल्टा ने गोल करते हुए स्कोर 4-1 कर दिया। पांचवां गोल 52वें मिनट में पेनाल्टी कार्नर पर जैकलीन मास्काकेर ने किया।

ओलंपिक (मुक्केबाजी) - पहले ही दौर में हारे विकास

टोक्यो।

भारत के दिग्गज मुक्केबाज विकास कृष्ण को टोक्यो ओलंपिक के वेल्टरवेट कटेगरी के अपने पहले ही मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य और राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण जीत चुके 29 साल के विकास का सामना राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में मेजबान जापान के मेनसाल ओकीजावा से था। विकास यह मुकाबला 5-0 से हार गए। मेनसाल ने तीनों राउंड में पाचों जजेज से 10-10 अंक बटोरे जबकि एशियाई खेलों में स्वर्ण जीत चुके विकास एक मौके पर भी किसी भी जज से इतने अंक नहीं हासिल कर सके।

मिश्रित युगल में हारी भारतीय जोड़ी, मनिका-सुतिर्था ने जीत से की शुरूआत

स्पोर्ट्स डेस्क ।

भारत की मिश्रित टेबल टेनिस स्पर्धा में पदक जीतने की उम्मीदों पर शनिवार को पानी फिर गया लेकिन मनिका बत्रा और सुतिर्था मुखर्जी ने यहां तोक्यो ओलंपिक की महिला एकल स्पर्धा में जीत से अभियान शुरू किया। अचंत शरत कमल और मनिका बत्रा के मिश्रित युगल वर्ग के अंतिम 16 में हारने से भारत का टेबल टेनिस अभियान निराशाजनक तरीके से शुरू हुआ था। भारतीय जोड़ी को तीसरी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपै के लिन युन जू और चेंग आई चिंग से 0-4 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि दुनिया की 62वें नंबर की खिलाड़ी मनिका ने ब्रिटेन की 94वीं रैंकिंग की खिलाड़ी टिन टिन हो को एकल स्पर्धा के शुरूआती मुकाबले में 4-0 से हरा दिया जबकि 98वीं रैंकिंग की सुतिर्था ने भी ओलंपिक पदार्पण में प्रभावित किया, उन्होंने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए स्वीडन की 78वीं रैंकिंग की लिंडा बर्गस्ट्रोम को 4-3 (5-11, 11-9, 11-13, 9-11, 11-3, 11-9, 11-5) से मात दी। सुतिर्था का सामना अब दूसरे दौर में पुर्तगाल की फु यु से होगा जबकि मनिका यूक्रेन की 32वीं रैंकिंग की मार्गिटा पेसोत्स्का से भिड़ेंगी। इससे पहले लिन युन जू और चेंग आई चिंग ने भारतीय जोड़ी को 11 . 8, 11 . 6, 11 . 5, 11 . 4 से हराया । पहले दो गेम में 5 . 1 और 5 . 3 से बढत बनाने के बाद भारतीय जोड़ी लय कायम नहीं रख सकी। क्वालीफाइंग प्रतिस्पर्धा से ओलंपिक में जगह बनाने वाली 19 वर्षीय लिन के फ्लैंक्स का 12वीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी सामना नहीं कर सकी। फोरहैंड और बैकहैंड से उनके ड्राइव का कोई जवाब नहीं था। भारतीय जोड़ी ने पहले गेम में 5 . 1 की बढत बनाई लेकिन इसके बाद लिन और चेंग ने लगातार आठ अंक हासिल कर लिये। शरत ने मैच के बाद कहा ,'' हमें पहला गेम जीतकर उन पर दबाव बनाना चाहिये था। बेहतरीन टीम के खिलाफ ऐसा ही करना चाहिये। लिन सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से है और उसने दिखा दिया।'' उन्होंने कहा ,'' उन्होंने हमें गलतियां करने पर मजबूर किया। उसने रिटर्न पर अच्छे विनर लगाये। रोमानिया के खिलाफ कल अभ्यास मैच के बाद मैं अच्छा महसूस कर रहा था। ड्रॉ भी बेहतर हो सकता था लेकिन अब फोकस एकल पर रहेगा।'' शरत और मनिका ओलंपिक के लिये रवाना होने से पहले राष्ट्रीय शिविर में सिर्फ तीन दिन साथ खेले थे ।

श्रीलंका के खिलाफ टी20 में इन खिलाड़ियों को मौका दे सकते हैं कोच राहुल द्रविड़

नई दिल्ली। श्रीलंका को वनडे सीरीज में मात देने के बाद भारतीय टीम टी20 सीरीज में भी जीतने के लिए उतरेगी। टी20 सीरीज का पहला मुकाबला रविवार को होगा, जिसमें रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को मौका दिया जा सकता है। शिखर धवन की अगुवाई वाली टीम ने वनडे श्रृंखला 2-1 से जीती, लेकिन वह आखिरी मैच में हार गई थी। इसके बावजूद भारतीय टीम का पलड़ा भारी नजर आ रहा है। कोच राहुल द्रविड़ श्रृंखला में वरुण चक्रवर्ती को आजमाना चाहते हैं, जो ऑफ ब्रेक, कैरम बॉल और दायें हाथ के बल्लेबाजों के लिए लेग ब्रेक भी कर लेते हैं। वह आईपीएल में अपने हूनर का अच्छा नमूना पेश कर चुके हैं। वरुण चक्रवर्ती खराब फिटनेस और चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं जा सके थे, और इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में भी नहीं खेले थे। लेकिन भारतीय टीम यूएई में होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले एक स्पिनर की तलाश में हैं और इसके बाद 29 वर्षीय गेंदबाज को पहले टी20 में आजमाया जा सकता है। इसके अलावा देवदत्त पडिक्कल और ऋतुराज गायकवाड़ में से भी किसी को डेब्यू का मौका मिल सकता है। दोनों ने आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया था। क्योंकि पृथ्वी शॉ और सूर्यकुमार यादव दोनों इंग्लैंड रवाना होने के लिये तैयार हैं,इसके बाद टीम मैनेजमेंट पडिक्कल और गायकवाड़ दोनों को मौका दे सकता है। इशान किशन और संजू सैमसन दोनों को प्लेइंग इलेवन में शामिल हो सकते है। मनीष पांडे को मिडिल ऑर्डर से बाहर किया जा सकता है, जबकि पंड्या बंधुओं हार्दिक और क्रुणाल का सेलेक्शन तय माना जा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आ गया है मानसून। मतलब खूब सारी बारिश और टर्र-टर्र करते मेंढक, मम्मी के हाथ का बना गर्म सूप और कागज की नाव तैराने का समय। ऊपर से सोने पर सुहागा यह कि स्कूल भी अभी बंद ही हैं, इसलिए तुम्हारे तो वारे-न्यारे हो गए हैं। तुम तो इस मौसम में खूब मस्ती करते हो, ये हमें पता है, पर क्या तुम्हें पता है कि जानवर-पक्षी क्या करते हैं? वो कैसे मजे करते हैं। चलो आज जरा घर से बाहर निकलें और इनकी दुनिया में चलें...

मानसून में ये भी गाते गुनगुनाते नहाते हैं..

यूं तो बारिश में ज्यादातर जानवर और पक्षी छांव वाली जगह की तलाश में रहते हैं, जहां उन पर पानी न गिरे। इसके लिए वे किसी पेड़ के तने, गुफा, पत्ते के नीचे या जमीन के नीचे चले जाते हैं। लेकिन कई जानवर इस बारिश को खूब पसंद करते हैं। खासकर कुछ खास किस्म की चिड़िया गाना गाती हैं तो कुछ पंख फैलाकर नहाती हैं। बारिश के समय मैना, कोयल खूब गाना गाती हैं। चिड़ियों को बारिश खूब पसंद होती है। वो पेड़ की डाली पर बैठकर बारिश का मजा लेती हैं। पत्तों से टपकता पानी उन्हें खूब पसंद है। लेकिन कई तरह की चिड़िया इस मौसम के आने से पहले दूसरे इलाकों में कूच कर जाती हैं। इनमें व्हाइट रफ्ड मनाकिंस खास है। अमेरिका में रहने वाली ये चिड़िया फल खाती है और दो-तीन घंटे से अधिक समय तक भोजन के बिना नहीं रह सकती। जैसे ही बारिश का मौसम आता है ये दूसरे इलाकों की ओर चली जाती हैं।

ऐसे बचाओ अपने पेट्स को

बारिश के समय तुम यह सुनिश्चित करो कि तुम्हारे पेट्स भीगें नहीं। अगर वो भीग भी गए हैं तो उन्हें तुरंत पोंछ दो। अगर उन्हें ठंड लग रही है तो किसी कंबल से ढंककर रखो। जैसे ही बारिश बंद हो तो उन्हें घुमाने कहीं बाहर ले जाओ। उनके साथ खूब खेलो, जिससे वे सुस्त न पड़ें। उनके फर और पंजों को साफ करते रहो। इस मौसम में सबसे ज्यादा जानवर बीमार होते हैं, इसलिए तुम उन पर नजर रखो। अगर उन्हें जलन-खुजलाहट हो रही है या बाल झड़ने लगे हैं तो यह इन्फेक्शन के पनपने की निशानी है। समय से वेक्सिनेशन करवाना जरूरी है।

मौसम बदलेगा, ये पहले से जान लेते हैं: भारी बारिश या तूफान आने से पहले ब्लैक कोकाटूस पहाड़ों से नीचे आना आरंभ कर देते हैं। ऐसा ये सुबह के समय करते हैं।

बिल्लियां अपने पैरों को चाटती हैं और उससे अपनी आंखों को साफ करती हैं। ऐसा माना जाता है कि बिल्ली के कान काफी तेज होते हैं और उन्हें मौसम बदलने से पहले ही कुछ ध्वनियां सुनाई देने लगती हैं, जिससे उनमें यह बदलाव आ जाता है।

गाय का बछड़ा यदि ज्यादा एक्टिव दिख रहा हो तो इसका मतलब है कि बारिश आने वाली है। बछड़ा ऐसे में अपनी आंखों क ो

खुजलाना आरंभ करता है। अगर कुत्ता अपनी पीठ के बल सोने लगे तो समझ लेना चाहिए कि मौसम बदल सकता है। अगर मेंढक चिल्लाने लगें तो मान लें कि 24 से 48 घंटे में बारिश गिरेगी। तोते बारिश होने से पहले खास तरह की आवाजें निकालना आरंभ कर देते हैं। कछुए अगर नदी को छोड़कर मैदानी इलाकों की ओर आएं तो समझ लीजिए कि बारिश या बाढ़ आने वाली है।

तुम्हारे लिए मस्ती का समय है ये...

स्कूल अभी कुछ दिन पहले ही खुले हैं और बारिश शुरू हो चुकी है। मतलब फुल टू मस्ती और धमाल करने का समय है ये। तुम बारिश में खूब नहा सकते हो, खेल सकते हो और चाहो तो घर की खिड़की से इसके नजारे देख सकते हो। पानी में छप-छप करना, दोस्तों को भिगोना, उन्हें छींटे मारना, नाव बनाकर तैराना कितना मजेदार होगा ना। हल्की बारिश में फुटबॉल खेलो, वॉलीबॉल खेलो, क्रिकेट खेलो और मस्ती करो। अगर मां घर से न निकलने दें तो पेंटिंग बनाओ या सूप पियो।

क्या करते हैं जानवर

तोता चुप रहता है और कोई जगह ढूंढकर वहां छिप जाता है। गिलहरी और चुहिया गर्म जगह की तलाश करते हैं और वहां से छिपकर बारिश देखते हैं। मेंढ़क, कछुए और मछली तालाब या झील के नीचे के भाग में स्थित पत्थरों में शरण लेते हैं। रेंगने वाले जीवों जैसे सांप आदि की खासियत होती है उनकी चमड़ी। चमड़ी पर प्रोटीन होता है, जिसे केरेटिन कहा जाता है। ये उनकी त्वचा को वॉटरप्रूफ बना देता है, इसलिए ये खूब नहाते हैं। ओरंगुटान किसी पेड़ के पत्तों से अपने सिर को ढंककर बैठ जाता है। पीले रंग की चिडिया अमेरिकन गोल्डफिंचेस जरा सी देर भी गीला होकर नहीं रह सकती। बारिश शुरू होते ही वह सूखी जगह की तलाश कर वहां छिप जाती है। मोर बारिश शुरू होने से पहले नाचना शुरू कर देता है। मॉरनिंग डव्स को नहाना पसंद होता है। कठफोड़वा भी खूब नहाता है। बारिश के समय मेंढक तेज आवाजें निकालता है। तोता बारिश बंद होने के बाद एक डाली से दूसरी डाली तक आता-जाता है और नाचता है।

मानसून बोलो या काल वर्षा

मानसून शब्द अरबी भाषा के शब्द 'मौसिम' से बना है। केरल में मानसून को 'काल वर्षा' कहा जाता है। 'मानसून' उन मौसमी पवनों को कहते हैं, जो ठंड में महाद्वीपों से महासागरों की ओर और गर्मी में महासागरों से महाद्वीप की ओर चलती हैं।

बारिश में भीगो पर...

बारिश में भीगने में सभी को मजा आता है। चुभती-जलती गर्मी से राहत मिलती है, प्रकृति और भी सुंदर हो जाती है। जगह-जगह बहते झरने, नदियां कितने सुंदर लगते हैं। वैसे तो मम्मी-पापा भी बारिश को पसंद करते हैं, पर जब बारी बच्चों की आती है तो मम्मी ज्यादा देर बारिश में नहाने नहीं देतीं। जल्दी से घर में आ जाओ, बारिश में मत भीगो, बस इसी बात की रट लगाये रहती हैं। उनका कहना सही भी है, क्योंकि बारिश बच्चों के लिए बीमारियों का कारण भी बन सकती है। हां, अगर तुम इन बातों को ध्यान में रखो तो तुम बारिश का मजा भी ले सकते हो और बीमार भी नहीं पड़ोगे। इस मौसम में सबसे ज्यादा मच्छर पैदा होते हैं, जो कई बीमारियों को जन्म देते हैं। इसलिए घर में पानी इकट्ठा मत होने दो। इसके लिए तुम घर में नीम की सूखी पत्तियों का धुंआ कर सकते हो। मानसून में पीने के पानी में अक्सर गंदगी आ जाती है, जो टायफाइड, कॉलरा जैसी बीमारियां फैलाती है। इसलिए पानी उबालकर ही पीएं। बाहर का खाना न खाएं। बारिश के पानी में ज्यादा देर तक मत रहो। इससे तुम्हें स्किन की बीमारियां हो सकती हैं। इसलिए तुम रेनकोट, रेनबूट पहनो और छाता लेकर ही निकलो। जब भी भीगो तो जल्दी से कपड़े बदलो। इस समय गटर या मेनहोल्स के पास मत जाओ, क्योंकि ये सभी ओवरफ्लो होते हैं। मानसून में सर्दी-जुकाम और खांसी हो जाती है। इसलिए मम्मी जो दें वो ही खाओ। नाखूनों को काटकर रखो, क्योंकि बहुत सारी बीमारियां इन नाखूनों से ही पेट के अंदर जाती हैं। इस मौसम में तुम्हें बार-बार हाथ धोने चाहिये। अगर बारिश में तुम्हारे मोजे गीले हो जाएं तो उन्हें उतार दो, नहीं तो फंगल इन्फेक्शन हो सकता है। अगर तुम्हारे घर में एसी लगा है तो नहा कर सीधे उस कमरे में मत जाना, बीमार पड़ सकते हो। गीले बिजली के तारों को मत छूना और न ही उन पर फंसी कोई चीज लोहे के डंडे से निकालने की कोशिश करना।

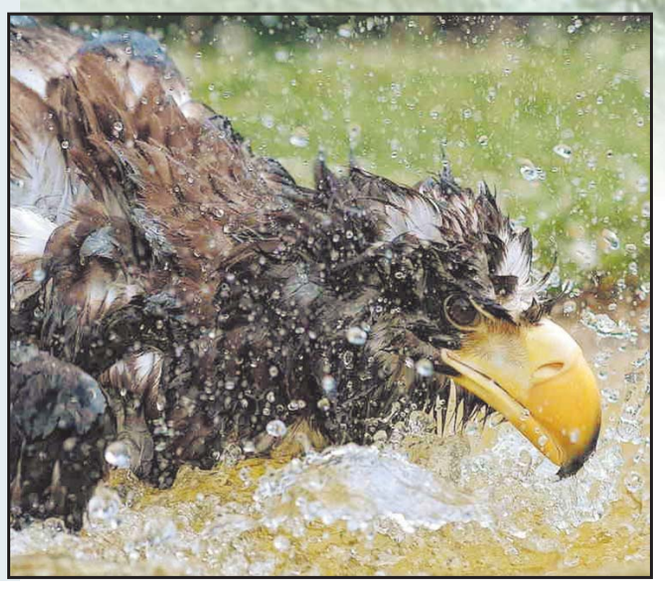

जानो आइसक्रीम की हिस्ट्री

बच्चों! आइसक्रीम हर किसी को ललचाती है। आज बाजार में आइसक्रीम वनीला, चॉकलेट, स्ट्रॉबेरी, मैंगो, पाइनऐपल आदि के स्वाद के साथ कोन, कप, स्टिक आदि के आकर्षक पैकेज में मौजूद है, लेकिन क्या आपको पता है कि आखिर तरह-तरह की वेरायटी वाली आइसक्रीम बनी कैसे, इसकी शुरुआत कब और कैसे हुई? आइए जानें इस बारे में..

वैसे यह निश्चित रूप से मालूम नहीं है कि सबसे पहले आइसक्रीम कैसे बनी और इसकी शुरुआत कैसे हुई, लेकिन एक किंवदंती के अनुसार, लगभग दो हजार साल पहले रोमन सम्राट नीरो ने अपने गुलामों से कहा था कि वे पास के पहाड़ों से बर्फ ले आयें। नीरो ने उस बर्फ में फलों का रस, शहद आदि मिलाया और उसका आनंद लिया. इसे ही आइसक्रीम की शुरुआत माना जा सकता है। समय बीतने के साथ लोग बर्फ में अन्य स्वादिष्ट चीजें मिलाकर खाने लगे और सन् 1600 तक आइसक्रीम काफी लोकप्रिय हो चुकी थी। इसके बाद लोग अनेक प्रकार के प्रयोग करके इसे नया-नया रूप, आकार व स्वाद देकर और लोकप्रिय बनाते चले गये। एक बार पार्टियों में वेटर का काम करने वाले रॉबर्ट ग्रीन नामक व्यक्ति ने मजबूरीवश एक प्रयोग कर डाला। उस समय क्रीम और काबरेनेटेड पानी मिला कर एक पेय बनाया जाता था जो कई दशकों तक खासा लोकप्रिय रहा था। एक पार्टी में उस पेय के लिए क्रीम कम पड़ गई। ग्रीन ने उसकी जगह वनीला आइसक्रीम डाल दी। आइसक्रीम एक फोम के रूप में गिलास में ऊपर तक भर गई और वह घोल काफी स्वादिष्ट बन पड़ा था और जल्दी ही वह लोकप्रिय हो गया। इसे आइसक्रीम सोडा के नाम से पुकारा जाने लगा। इसी तरह के मजबूरीवश किये प्रयोगों ने अन्य प्रकार की आइसक्रीम्स को जन्म दिया।

संडे आइसक्रीम

स्मिथसन नामक व्यक्ति के पास एक छोटा-सा रेस्त्रं था, जिसमें लोग आइसक्रीम खाने अक्सर आते थे. 1890 के एक रविवार के दिन उसके रेस्त्रं में आइसक्रीम कम पड़ने लगी और दूसरी चीजें, जैसे फल, विभिन्न प्रकार की चॉकलेटें, क्रीमें आदि काफी थीं। रविवार को आइसक्रीम की आपूर्ति नहीं होती थी इसलिए स्मिथसन ने आइसक्रीम की मात्र कम कर दी तथा उसके ऊपर फल, चॉकलेट सिरप और दूसरी गाढ़ी क्रीम डालना प्रारंभ कर दिया। जब ग्राहकों ने इसकी तारीफ करना प्रारंभ कर दिया तो उसने इस आइसक्रीम का नाम संडे आइसक्रीम रख दिया। अब वह हर रविवार को संडे आइसक्रीम देने लगा। धार्मिक कारणों से कुछ लोगों द्वारा संडे नाम का विरोध करने पर स्मिथसन ने संडे आइसक्रीम में संडे की स्पेलिंग बदल डाली।

कोन वाली आइसक्रीम

कुरकुरे कोन में आइसक्रीम खाने का अलग ही आनंद है। इसकी शुरुआत भी मजबूरी में ही हुई। 1904 में सेंट लुई मेले में दो व्यक्ति खाने की वस्तुओं के काऊंटर पर अगल-बगल खड़े थे। एक पेपर की प्लेटों में आइसक्रीम बेच रहा था और दूसरा वेफर पर (पेस्ट्री जैसा लगने वाला) जिसके ऊपर चीनी के दाने चिपके हुए थे। अगस्त का महीना था और लोग धड़ाधड़ आइसक्रीम ले रहे थे। वेफर बेचने वाला मुंह ताक रहा था। तभी अचानक कागज की प्लेटें कम पड़ गईं और आइसक्रीम वाले को लगा कि अब उसे अपना काऊंटर बंद करना पड़ेगा। तभी वेफर बेचने वाला उसकी मदद के लिए आगे आया। उसने वेफल से कोन बनाया और दोनों उसमें आइसक्रीम भर कर बेचने लगे। लोगों को कुरकुरा वेफ र आइसक्रीम के साथ बहुत भाया तथा अब वह खूब बिकने लगा। 1920 तक एक-तिहाई आइसक्रीम कोन में बिकने लगी।

चॉकलेट आइसक्रीम

एक दिन क्रिश्चियन नेल्सन नामक व्यक्ति अमेरिका के आयोवा में स्थित अपनी दुकान में आइसक्रीम व चॉकलेट बेच रहा था। तभी एक बालक हाथ में सिक्के लिए दुकान में आया और आइसक्रीम की फरमाइश की। फिर उसने इरादा बदल दिया और चॉकलेट की फरमाइश कर डाली। नेल्सन को लगा कि यह बालक तभी संतुष्ट हो पायेगा जब उसे दोनों स्वाद मिलेंगे। उसने आइसक्रीम की एक स्लाइस काटी तथा उसके दोनों ओर चॉकलेट की पतली परत चिपका दी और तभी चॉकलेट आइसक्रीम की खोज हो गयी। अब वह नयी चॉकलेट वाली आइसक्रीम जमाने लगा। उसने इस दिशा में अनेक प्रयोग भी कर डाले ताकि चॉकलेट उसकी आइसक्रीम से भली प्रकार चिपक जाये। उसे सफलता आसानी से नहीं मिल रही थी। तभी उसको एक सेल्समैन ने सलाह दी कि वह कोको बटर का प्रयोग करे। अब नेल्सन ने नये सिरे से प्रयोग प्रारंभ कि ये। 1920 में एक रात उसने आइसक्रीम की एक स्लाइस चॉकलेट के मिश्रण में डाली। कुछ देर बाद चॉकलेट ठंडा होकर आइसक्रीम के चारों ओर जम गया। इसके साथ ही चॉकलेट लगी आइसक्रीम खासी लोकप्रिय हो गई।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

न्यूजीलैंड ने कर्मचारियों के लिए न्यूनतम 10 दिन की बीमारी की छुट्टी को मंजूरी दी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड में शनिवार को कर्मचारियों की न्यूनतम बीमारी की छुट्टी को दोगुना कर 10 दिन करने वाला कानून लागू हो गया, जिससे कारोबारियों और कामगारों दोनों को फायदा हुआ। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, कार्यस्थल संबंध और सुरक्षा मंत्री माइकल वुड के अनुसार, इस कदम का उद्देश्य कीवी और कार्यस्थलों को स्वस्थ रहने में मदद करना है। वुड ने कहा कोविड -19 ने हमें दिखाया है कि जब आप बीमार होते हैं तो घर पर रहना कितना महत्वपूर्ण होता है। लोगों को कम से कम 10 दिनों की बीमारी की छुट्टी देकर, हम ऐसा करने में उनकी मदद कर रहे हैं और बग को फैलने से रोक रहे हैं। एक स्वस्थ और अच्छी तरह से आराम करने वाले कार्यबल होने से व्यवसायों को भी मदद मिलती है, उन्होंने कहा, अध्ययनों को जोड़ने से पता चला है कि बीमार होने पर काम करने वाले लोग 20 प्रतिशत कम उत्पादक होते हैं और सबसे स्वस्थ कर्मचारी तीन गुना अधिक उत्पादक होते हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारी अपनी कार्य वर्षगांठ की तारीखों के अनुरूप अगले वर्ष अलग-अलग समय पर बढ़ी हुई पात्रता के लिए पात्र हैं। नए कर्मचारी अभी भी नौकरी में छह महीने के बाद कम से कम 10 दिनों की बीमारी की छुट्टी के लिए पात्र होंगे, और मंत्री के अनुसार, किसी भी अप्रयुक्त बीमारी अवकाश की वर्तमान अधिकतम पात्रता 20 दिनों तक रहती है।

ऑस्ट्रेलिया के साथ न्यूजीलैंड की यात्रा बबल निलंबन आतिथ्य क्षेत्र को करता है प्रभावित

वेलिंगटन। ऑस्ट्रेलिया के साथ यात्रा बबल में न्यूजीलैंड के आठ सप्ताह के निलंबन का देश के आतिथ्य क्षेत्र पर तत्काल प्रभाव पड़ा है। समाचार एजेंसी के अनुसार, हॉस्पिटैलिटी न्यूजीलैंड की मुख्य कार्यकारी जूली व्हाइट ने कहा कि निलंबन का आतिथ्य और आवास क्षेत्रों पर प्रभाव तुरंत महसूस किया जा रहा है। व्हाइट ने कहा, आतिथ्य संचालकों की पहली प्राथमिकता उनके लोगों, समुदाय और वनाउ (परिवार) की सुरक्षा है। स्वास्थ्य जोखिम और आर्थिक प्रभावों को संतुलित करना आतिथ्य और आवास उद्योग की कीमत पर आता है। सभी ऑस्ट्रेलियाई राज्यों और क्षेत्रों से न्यूजीलैंड के लिए क्वारंटीन मुक्त यात्रा को निलंबित किया जा रहा है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया में कोविड -19 की स्थिति बिगड़ रही है। रात 11.59 बजे से शुक्रवार को, ऑस्ट्रेलियाई अब न्यूजीलैंड के क्वारंटीन-मुक्त में प्रवेश करने में सक्षम नहीं थे। यह कम से कम अगले आठ सप्ताह तक लागू रहेगा।

सिडनी में लॉकडाउन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

सिडनी। देश में बिगड़ती कोविड-19 स्थिति के बीच शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े शहर सिडनी में हजारों की संख्या में लॉकडाउन विरोधी प्रदर्शनकारी इकट्ठे हुए। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) पुलिस बल ने विरोध गतिविधि को अनधिकृत बताया और कहा कि इसके जवाब में एक उच्च दृश्यता पुलिस अभियान शुरू किया गया। राष्ट्रीय प्रसारक एबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने हेमार्केट के उपनगर के माध्यम से शहर की ओर मार्च किया, जिसे कुछ ही पल पहले राज्य के स्वास्थ्य विभाग द्वारा वायरस हॉटस्पॉट घोषित किया गया था। एनएसडब्ल्यू पुलिस बल ने शनिवार दोपहर एक बयान में कहा, विशेषज्ञ संसाधनों की सहायता से पूरे मध्य महानगर क्षेत्र के अधिकारियों को तैनात किया गया था। अभियान के दौरान अब तक कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सिडनी के साथ राजधानी शहर के रूप में ऑस्ट्रेलिया का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य, शनिवार को कोविड -19 के 163 नए स्थानीय रूप से अधिग्रहित मामलों में एक नया उच्च दर्ज किया गया, जो पिछले दिन के 136 से एक छलांग है।

अफगान हवाई हमले में 33 तालिबान आतंकवादी मारे गए

काबुल। अफगानिस्तान वायु सेना (एएएफ) द्वारा दो प्रांतों में किए गए हमलों में तैंतीस तालिबान आतंकवादी मारे गए और 17 अन्य घायल हो गए, रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को इसकी पुष्टि की। समाचार एजेंसी ने मंत्रालय के हवाले से कहा कि जावजान प्रांत में, प्रांतीय राजधानी शिबरघन के बाहरी इलाके में मुर्गब और हसन तब्बिन गांवों में तालिबान के ठिकानों को युद्धक विमानों द्वारा निशाना बनाए जाने के बाद 19 आतंकवादी मारे गए और 15 घायल हो गए। मंत्रालय के अनुसार, हेलमंद प्रांत की राजधानी लश्कर गाह के बाहरी इलाके में वायु सेना के हमले में 14 तालिबान आतंकवादियों की जान चली गई और दो अन्य घायल हो गए। इसमें कहा गया है कि तीन वाहन, छह मोटरसाइकिल, दो बंकर और बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी नष्ट हो गए। जबकि अमेरिका और नाटो सैनिक एशियाई देश छोड़ रहे हैं और हिंसा बढ़ रही है।

यूरोप और ग्रीस में अच्छे आर्थिक विकास की उम्मीद

एथेंस । यूरोग्रुप के अध्यक्ष पास्कल डोनोहो ने कहा कि वह कोविड -19 के बाद ग्रीस और यूरोप की आर्थिक सुधार की सकारात्मक और उज?ज्वल संभावनाओं की उम्मीद है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को ग्रीक प्रधान मंत्री क्यारीकोस मित्सोटाकिस के साथ अपनी बैठक के दौरान, डोनोहो ने कहा कि राष्ट्रीय पुनर्प्राप्ति और लचीलापन योजनाओं से विकास को गति मिलेगी। जिसे यूरोपीय संघ (ईयू) में लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा, महामारी और सभी कठिनाइयों के बावजूद, हमने कभी भी वास्तविक सुधारों को लागू करना बंद नहीं किया, जो मुझे लगता है कि आगामी विकास का लाभ उठाने के लिए हमें अच्छी तरह से स्थापित करता है जो ग्रीक अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित करेगा। हमारे लिए, चुनौती केवल बढ़ने की नहीं है, बल्कि बेहतर बढ़ने की है। डोनोहो ने कहा, मैं ग्रीक अर्थव्यवस्था के बारे में आपकी उम्मीद से पूरी तरह सहमत हूं । हेलेनिक स्टैटिस्टिकल अथॉरिटी (ईएलएसटीएटी) के प्रारंभिक पूर्वानुमान के अनुसार, ग्रीस की अर्थव्यवस्था 2020 में वार्षिक आधार पर 8.2 प्रतिशत तक सिकुड़ गई।

भारत यात्रा पर देश के अधिकारियों के समक्ष मानवाधिकारों का मुद्दा उठाएंगे एंटनी ब्लिंकन

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन भारत की अपनी पहली यात्रा के दौरान भारतीय अधिकारियों के समक्ष मानवाधिकार और लोकतंत्र के मुद्दे उठाएंगे। अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक दोनों देश इन मोर्चों पर अन्य की तुलना में अधिक समान मूल्य साझा करते हैं। ब्लिंकन 27 जुलाई को नयी दिल्ली पहुंचेंगे। अपनी यात्रा के दौरान, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि नयी दिल्ली में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल भी ब्लिंकन से मुलाकात करेंगे।

दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के कार्यवाहक उप मंत्री डीन थॉम्पसन ने ब्लिंकन की यात्रा से पहले कॉन्फ्रेंस कॉल के दौरान संवाददाताओं को बताया, ÷मानवाधिकारों और लोकतंत्र के प्रश्न के संबंध में आपका पूछना सही है, हम इन मुद्दों को उठाएंगे और हम इस बातचीत को जारी रखेंगे क्योंकि हम दृढ़ता से मानते हैं कि इन मोर्चों पर हमारे मूल्य अन्य किसी भी मोर्चे की तुलना में ज्यादा समान हैं।' थॉम्पसन ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'हमारा मानना है कि जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, भारत उन बातचीत को जारी रखने और साझेदारी में उन मोर्चों पर मजबूत प्रयास करने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनने जा रहा है।' भारत ने इससे पहले देश में नागरिक स्वतंत्रता घटने के विदेशी सरकारों और मानवाधिकार समूहों के आरोपों पर की जा रही आलोचना को खारिज किया है। सरकार ने कहा है कि भारत में सभी के अधिकारों की रक्षा के लिए भली-भांति स्थापित लोकतांत्रिक प्रथाएं और मजबूत संस्थान हैं। सरकार ने जोर दिया है कि भारतीय संविधान मानवाधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न विधियों के तहत पर्याप्त सुरक्षा उपायों का प्रावधान करता है। थॉम्पसन ने कहा कि भारत के साथ संबंध एक मजबूत संबंध है जो अमेरिका में सभी प्रकार के प्रशासन के माध्यम से कायम हैं और ऐसा जारी रहेगा।

जी20 मंत्रियों के बीच वैश्विक तापमान लक्ष्य पर कोई समझौता नहीं

रोम (एजेंसी)।

जी20 समूह के ऊर्जा और पर्यावरण मंत्रियों ने वैश्विक तापमान लक्ष्य से संबंधित एक विशिष्ट प्रतिबद्धता पर एक समझौते के बिना 58-लेख की अंतिम विज्ञप्ति के साथ दो दिवसीय बैठक समाप्त कर दी है।

समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार नेपल्स के दक्षिणी शहर में शुक्रवार को आयोजित शिखर सम्मेलन के अंत में, इटली के पारिस्थितिक ट्राजीशन मंत्री रॉबटरे सिंगोलानी ने कहा कि जी20 समूह, जो दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं का प्रतिनिधित्व करता है, जलवायु परिवर्तन प्रतिबद्धता से संबंधित एक शब्द खोजने में असमर्थ था जो सभी को संतुष्ट कर सकता था। इसलिए, मंत्रियों द्वारा चर्चा की गई जलवायु, ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित 60 मुद्दों में से दो को विज्ञप्ति से बाहर रखा गया था और इस वर्ष के अंत में जी20 राष्ट्राध्यक्ष और सरकार शिखर सम्मेलन के लिए भेजा जाएगा। सिंगोलानी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बिंदु इस सदी के उत्तरार्ध में वैश्विक तापमान वृद्धि को 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने के लिए पेरिस समझौते द्वारा निर्धारित प्रतिबद्धता से संबंधित है। जी20 के कुछ देश तापमान में वृद्धि के 1.5 डिग्री सेल्सियस के भीतर रहने के लिए और आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध होंगे, जो कि डीकाबोर्नाइजेशन प्रक्रिया को तेज करेगा। कुछ अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाएं अभी भी भारी कार्बन उद्योगों पर निर्भर हैं और 2025 को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने और जीवाश्म स्रोतों पर अन्य सभी चरणबद्ध बहिष्कारों को तेज करने का विचार उनके लिए बेहद मुश्किल है।

तालिबान की बढ़ती ताकत को देख पलायन के लिए मजबूर हुए सिख परिवार

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में करीब बीस साल से जारी अमेरिका का सैन्य अभियान 31 अगस्त को पूरी तरह से समाप्त हो जाएगा। अमेरिकी सैनिकों के वापस जाने से तालिबान अपने पैर पसारना शुरू कर चुका है। ऐसे में ज्यादा समय नहीं लगने वाला है, जब अफगानिस्तान पर तालिबान का राज होगा। हालांकि स्थिति अभी भी कुछ अच्छी नहीं है। पलायन शुरू हो चुका है। अफगानिस्तान में अपना जीवन व्यतीत कर देने वाले लोगों को लगता है कि यह देश अब सुरक्षित नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अफगानिस्तान में अब सिख समुदाय के लोग भी पलायन के लिए मजबूर है। उनका मानना है कि अफगानिस्तान सबसे खतरनाक मुल्क हो गया है। हिन्दी समाचार चैनल 'आजतक' ने अफगानिस्तान में सिख समुदाय के लोगों की मौजूदा स्थिति को लेकर रिपोर्टिंग की। उसके मुताबिक तालिबान के बढ़ते प्रभाव की वजह से लोग खौफ में है। तालिबान की बढ़ती ताकत को देखकर जलालाबाद में रहने वाले सिख समुदाय के 50 से अधिक परिवारों ने अपना घरबार छोड़कर भारत का रुख किया है। जलालाबाद में अब महज 6-7 सिख परिवार ही बचे हैं। जलालाबाद में स्थित गुरुद्वारे का पास में सिख समुदाय के लोगों की कुछ दुकानें हैं। जो अपनी पीड़ा को बताते हुए कहते है कि यहां अब सरदार नहीं रहते हैं। अब 6-7 सिख परिवार ही बचे हैं। जब हालात ठीक थे तो 80 के आसपास सिख परिवार यहां रहते थे। तालिबान की वजह से खौफजदा सिख परिवार अफगानिस्तान छोड़कर पंजाब आ गए हैं। जो चंद सिख परिवार जलालाबाद में बचे है क्या वो भी पलायन करने को मजबूत होते हैं या फिर वहीं पर जीवन गुजर बसर करेंगे ? यह सवाल काफी अहम हो जाता है। गौरतलब है कि पिछले साल मार्च में काबुल के गुरुद्वारे पर आतंकवादी ने हमला किया था। जिसमें 20 सिखों की मौत हो गई थी। इसी के बाद से सिख परिवार खौफ में थे।

काबुल से तनाव बढ़ने के साथ पाकिस्तान ने अफगानिस्तान से लगती सीमा पर सैनिक तैनात किए

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान से अमेरिकी और नाटो सैनिकों की वापसी और काबुल से लगातार बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान ने अफगानिस्तान से लगती अपनी सीमा की अग्रिम चौकियों पर सेना के जवानों की तैनाती की है। यह दावा शनिवार को मीडिया में आई खबरों में किया गया। डॉन अखबार ने आतंरिक मामलों के मंत्री शेख रशीद अहमद के हवाले से बताया कि अग्रिम ठिकानों पर फ्रंटियर कांस्टेबुलरी (एफसी), लेविस फोर्स (अर्धसैनिक बल) और अन्य मिलिशिया के स्थान पर पाकिस्तानी सेना के सैनिकों को तैनात किया गया है।

इस बीच, अमेरिका और नाटो सैनिकों अफगानिस्तान से वापसी की प्रक्रिया पूर्ण होने की ओर है। अहमद ने कहा कि आतंरिक मंत्रालय के तहत कार्यरत एफसी बलूचिस्तान और अन्य मिलिशिया को सीमा पर गश्तके कार्य से वापस बुला लिया गया है। उन्होंने बताया, '' अर्धसैनिक बलों को वापस बुलाने के बाद अब नियमित सेना के सैनिक सीमा पर तैनात है।'' अहमद के मुताबिक यह फैसला सीमा पर तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न होने के मद्देनजर लिया गया है। सैन्य प्रवक्ता मेजर जनरल बाबर इफ्तिकार ने हाल में टीवी चैनल से बातचीत में कहा था कि सीमा पर सैनिकों की तैनाती से अफगानिस्तान की जमीन और हवा में चल रही लड़ाई को पाकिस्तान की ओर आने से रोकने में मदद मिलेगी।

इस बीच, पाकिस्तानी सेना में मौजूद सूत्रों ने अखबार को बताया कि मौजूदा परिस्थितियों में सबसे बड़ी चुनौती शरणार्थियों या उनकी शक्ल में किसी घुसपैठिए को रोकना ही नहीं है बल्कि अफगान सेना के सैनिकों और तालिबान के लड़ाकों को भी पाकिस्तान की सीमा में दाखिल होने से रोकना है। अधिकारी ने कहा, ''हमने देखा कि जुलाई में तालिबान से लड़ाई करने से बचने के लिए एक हजार से अधिक अफगान सैनिक तजाकिस्तान भाग गए। हालांकि, उत्तरी अफगानिस्तान में तालिबान की उपस्थिति उतनी नहीं है जितनी पाकिस्तान से लगती दक्षिणी इलाकों में, ऐसे में अगर अफगान सैनिक भागकर हमारी सीमा में आते हैं तो, तालिबान भी उनका पीछा करते हुए आएगा और इस तरह यह लड़ाई पाकिस्तानी इलाके में भी फैल जाएगी। '' गौरतलब है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच 2,640 किलोमीटर लंबी सीमा है जिनमें से 90 प्रतिशत पर पाकिस्तान ने सुरक्षा दीवार बनाई है।

पाक के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और अईएसआईएस प्रमुख अगले हफ्ते जा सकते हैं अमेरिका

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मुईद यूसुफ और आईएसआई प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फैज़ हमीद अगले हफ्ते अमेरिकी यात्रा पर जा सकते हैं जहां वे अफगानिस्तान की स्थिति पर अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ बातचीत कर सकते हैं। यह अमेरिका की उस कूटनीतिक कोशिश का हिस्सा है जिसका मकसद युद्धग्रस्त राष्ट्र में सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण सुनिश्चित कराना है। 'डॉन' अखबार ने वाशिंगटन से राजनयिक सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि इसी प्रयास के तहत अमेरिकी विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन भारत और अफगानिस्तान की यात्रा पर आ रहे हैं।

उनकी इस यात्रा का उद्देश्य अफगान संकट के लिए क्षेत्रीय प्रतिक्रिया तैयार करना है। खबर के मुताबिक, यूसुफ और इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल हमीद की यात्रा इन राजनयिक प्रयासों का हिस्सा है। अखबार से शुक्रवार को राजनयिक सूत्रों ने कहा, 'अमेरिका की उस नई राजनयिक नीति में पाकिस्तान की अहम भूमिका है जिसका मकसद अफगानिस्तान में सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण को सुनिश्चित करना है।' तालिबान के साथ समझौते के तहत, अमेरिका और उसके नाटो सहयोगी इस शर्त पर अफगानिस्तान से फौज वापस बुलाने पर सहमत हुए हैं कि तालिबान अपने कब्जे वाले क्षेत्रों से चरमपंथी समूहों को संचालित होने से रोकेगा।

अफगानिस्तान में प्रभार संभाल रही अमेरिकी मध्य कमान ने हाल में कहा था कि 95 फीसदी से ज्यादा अमेरिकी बल वापस जा चुके हैं। राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि सैनिकों की वापसी अगस्त के अंत तक पूरी हो जाएगी। अमेरिकी राजधानी वाशिंगटन में विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने हाल में एक ब्रीफिंग के दौरान कहा था कि बाइडन प्रशासन उम्मीद करता है कि अफगान संघर्ष का एक उचित और टिकाऊ समाधान निकालने में अफगानिस्तान के पड़ोसी एक रचनात्मक व जिम्मेदार भूमिका निभाएंगे।

अफगानिस्तान में स्थायी शांति केवल राजनीतिक समाधान के जरिए ही संभव: व्हाइट हाउस

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन का मानना है कि अफगानिस्तान में स्थायी शांति केवल राजनीतिक समाधान के जरिए ही संभव है। व्हाइट हाउस ने अफगानिस्तान की सरकार और तालिबान के बीच चल रही शांति वार्ता की पृष्ठभूमि पर यह बात कही। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने संवाददाताओं से शुक्रवार को कहा, ''मैं कहना चाहूंगी कि अफगान नेताओं, अफगानिस्तान सरकार के सदस्यों और तालिबान के बीच राजनीतिक बातचीत और अन्य बातचीत चल रही है, जिसका हम यकीनन समर्थन करते हैं।''

उन्होंने कहा, '' हमारा मानना है कि अफगानिस्तान में स्थायी शांति केवल राजनीतिक समाधान के जरिए ही संभव है, लेकिन हम मानवीय सहायता, सुरक्षा सहायता और प्रशिक्षण के जरिए सरकार को समर्थन देना जारी रखेंगे। हम उन्हें अपने लोगों की रक्षा और सुरक्षा में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित करना भी जारी रखेंगे।'' एमएसएनबीसी को दिए एक साक्षात्कार में विदेश मंत्री टोनी ब्लिंकन ने कहा कि अमेरिका इस बात के लिए दृढ़ है कि अफगानिस्तान अमेरिका और उसके सहयोगियों के खिलाफ आतंकवादियों के लिए प्रशिक्षण का मैदान नहीं बनने पाए। उन्होंने कहा,'' यही कारण है कि हम वहां गए थे और यही बात याद रखने की जरूरत है। हम पर 9/11 को हमला किया गया, हम हमपर हमला करने वालों को तलाशने और उन्हें न्याय के दायरे में लाने के लिए अफगानिस्तान गए। ओसामा बिन लादेन के खिलाफ दस वर्ष पहले कार्रवाई की गई और उन हमलों के लिए जिम्मेदार आतंकवादी संगठन अलकायदा को नेस्तनाबूद किया गया।'' ब्लिंकन ने कहा,'' हम यह सुनिश्चित करने जा रहे हैं कि हम उस पर अपनी नजर रख सकें। अगर हम दोबारा खतरा पैदा होते देखते हैं,तो हम उसके खिलाफ कार्रवाई करने की स्थिति में होंगे।

भारत, पाकिस्तान को द्विपक्षीय मुद्दों को हल करने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत : अमेरिका

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान को अपने द्विपक्षीय मुद्दों को सुलझाने के लिए एक दूसरे के साथ काम करने की जरूरत है। अमेरिका ने कहा कि उसने दोनों पड़ोसी देशों को हमेशा ही एक स्थिर संबंध की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामले के कार्यकारी सहायक विदेश मंत्री डीन थॉम्पसन ने यहां संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, ''भारत-पाकिस्तान के संबंध में मैं केवल यह बताना चाहूंगा कि हम दृढ़ता से मानते हैं कि भारत और पाकिस्तान को अपने मुद्दे आपस में ही हल करने होंगे।''

एक सवाल के जवाब में थॉम्पसन ने कहा, ''हमें खुशी है कि इस वर्ष की शुरुआत में जो संघर्षविराम लागू हुआ - वह बरकरार है और हम निश्चित रूप से उन्हें हमेशा अधिक स्थिर संबंध बनाने के तरीके खोजने के प्रयासों को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।'' गौरतलब है कि भारत ने जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के कुछ प्रावधानों को पांच अगस्त, 2019 को समाप्त कर दिया था और इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया था जिसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों में खटास आ गई थी। इस वर्ष की शुरुआत में दोनों पड़ोसी देशों ने संघर्षविराम समझौते पर हस्ताक्षर किए।

अफगानिस्तान के बारे में एक सवाल पर, मंत्री ने कहा कि अमेरिका उम्मीद करता है कि एक स्थिर और सुरक्षित अफगानिस्तान में क्षेत्र के सभी देशों के साझा हित होंगे। विदेश मंत्री टोनी ब्लिंकन अगले सप्ताह भारत की यात्रा पर जाने वाले हैं। इस दौरान अफगानिस्तान चर्चा का एक प्रमुख विषय होगा। थॉम्पसन ने कहा, ''हम निश्चित रूप से अपने भारतीय भागीदारों के साथ इस बारे में बात करने पर विचार करेंगे कि उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक साथ कैसे काम किया जा सकता है।

अमेरिका ने पेगासस मुद्दे पर कहा, आलोचकों, पत्रकारों के खिलाफ जासूसी चिंताजनक

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका ने कहा है कि वह नागरिक संगठनों, सत्ता के आलोचकों और पत्रकारों के खिलाफ ''न्यायेतर तरीकों से'' जासूसी प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल के विरुद्ध है। हालांकि, अमेरिका ने यह स्पष्ट किया कि उसे भारत में चल रहे पेगासस विवाद के संबंध में कोई खास गहरी जानकारी नहीं है। भारत समेत कई देशों में नेताओं, पत्रकारों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों की कथित जासूसी के लिए पेगासस सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल से निजता से संबंधित मुद्दे को लेकर चिंता बढ़ी है। एक अंतरराष्ट्रीय मीडिया संगठन के अनुसार इजराइली कंपनी एनएसओ ग्रुप टेक्नोलॉजीज द्वारा विभिन्न सरकारों को बेचे गए फोन स्पाइवेयर का निशाना बने लोगों में नेता, अधिकार कार्यकर्ता और पत्रकार शामिल हैं। दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामले के कार्यकारी सहायक मंत्री डीन थॉम्पसन ने शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों के सवाल के जवाब में कहा, 'नागरिक संगठन, या सत्ता के आलोचकों अथवा पत्रकारों या ऐसे किसी भी व्यक्ति के खिलाफ न्यायेतर तरीकों से ऐसी तकनीक के उपयोग की पूरी अवधारणा हमेशा चिंता का विषय रही है।'' अंतरराष्ट्रीय मीडिया संगठन ने रविवार को बताया कि पेगासस स्पाइवेयर के जरिए हैकिंग के लिए भारत में कारोबारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के अलावा 40 से अधिक पत्रकारों, तीन विपक्षी नेताओं और एक मौजूदा न्यायाधीश सहित 300 से अधिक सत्यापित मोबाइल फोन नंबरों को निशाना बनाया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिग्गज पाटीदार नेता धीरूगजेरा की घर वापसी, भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने किया स्वागत

क्रांति समय दैनिक

सूरत,सूरत में दिग्गज पाटीदार नेता धीरू गजेरा की आज घरवापसी हो गई। 14 सालों तक कांग्रेस में रहने के बाद धीरू गजेरा ने आज फिर एक बार भाजपा का भगवा धारण कर लिया।

सूरत के उद्योगपति महेश सवाणी के आम आदमी पार्टी में शामिल होने के बाद भाजपा को एक दिग्गज पाटीदार नेता की जरूरत थी। जिसे धीरू गजेरा ने आज भाजपा में शामिल होकर पूरी कर दी। गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने शनिवार को सूरत में धीरू गजेरा को भगवा पटका पहना कर पार्टी में स्वागत किया। आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा धीरू गजेरा को महेश सवाणी के खिलाफ मैदान में उतार सकती है।

हीरा व्यवसाय से जुड़े धीरू गजेरा को भाजपा ने

सबसे पहले 1995 में सूरत उत्तर सीट से मैदान में उतारा था। जिसमें धीरू गजेरा की शानदार जीत हुई थी। जिसके बाद 1998 और 2002 में धीरूगजेरा ने इसी सीट से जीत दर्ज की थी।

2002 के बाद नरेन्द्र मोदी और केशूभाई पटेल के बीच मतभेदों के चलते धीरूगजेरा भी पार्टी नाराज हो गए। वर्ष 2007 में धीरूगजेरा ने कांग्रेस जॉइन करली और भाजपा में रहते हुए जिस सीट चुनाव जीता था, उसी पर फिर एक बार उम्मीदवार बने। लेकिन 2007 में धीरू गजेरा को हार का सामना करना पड़ा।

कांग्रेस ने 2009 में सूरत लोकसभा से धीरूगजेरा को उम्मीदवार बनाया। लोकसभा चुनाव में धीरूगजेरा की हार हुई। वर्ष 2012 और 2017 का विधानसभा चुनाव धीरूगजेरा ने कांग्रेस के टिकट पर लड़ा,

परंतु दोनों ही चुनाव में उन्हें करारी शिकस्त मिली। कुछ दिन पहले धीरू गजेरा ने कहा था कि मैं कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा के 3 और लोकसभा का 1 चुनाव हार चुका हूं। मेरे समर्थकों ने मुझसे घरवापसी का आग्रह किया था।

सूरत पुलिस को मिली बड़ी सफलता, 1.27 करोड़ के गांजा के साथ एक शख्स को किया गिरफ्तार

क्रांति समय दैनिक

सूरत,पलसाणा के साकी गांव के एक मकान में छापा मारकर पुलिस ने रु 1.27 करोड़ से अधिक कीमत को गांजा बरामद किया है। साथ ही एक शख्स को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि तीन शख्सों को वांटेड घोषित किया है।

पकड़ा गया गांजा उडीसा से लाया गया था और इसे सूरत समेत अन्य शहरों में सप्लाई किया जाना था। जानकारी केमुताबिक सूरत पुलिस को पलसाणा के साकी गांव के एक मकान में बड़ी माला में गांजा रखा होने की सूचना मिली थी। जिसके आधार पर पुलिस ने देर रात

के श्रीजी रेसिडेन्सी स्थित फ्लैट नंबर 204 में छापा मारा। रेड के दौरान पुलिस को फ्लैट से 1142.470 किलोग्राम गांजा से भरी 32 बोरियां मिली। जिसकी कीमत रु 1.27 करोड़ से अधिक बताई गई है। इस मामले में पुलिस ने सूरत के उत्कलनगर निवासी विकास बुलीगौडा नामक शख्स को गिरफ्तार कर लिया। जबकि अन्य तीन शख्सों को वांटेड घोषित किया है। पुलिस के मुताबिक जब्त किया गया गांजा उडीसा के गंजाम जिले से यहां लाया गया था। गांजा को सूरत, भरुच और वडोदरा समेत अन्य शहरों में सप्लाई किया जाना था। लेकिन गांजा की सप्लाई से पहले पुलिस ने जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरूकी है।

डॉक्टर के निजी पलों का वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 10 लाख की फिरौती मांगी

क्रांति समय दैनिक

सूरत,शहर के अमरोली के एक डॉक्टर के निजी पलों का वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 10 लाख रुपए की फिरौती मांगे जाने की घटना सामने आई है। डॉक्टर की शिकायत के आधार पर अमरोली पुलिस ने तीन शख्सों के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है। जानकारी के मुताबिक सूरत के हीराबाग क्षेत्र के विट्ठलनगर निवासी 44 वर्षीय डॉ. अरुण केशूभाई घेवरिया का शहर के अमरोली इलाके में अस्पताल है। डॉ. अरुण घेवरिया ने अमरोली पुलिस थाने में हर्ष वघासिया समेत तीन लोगों के खिलाफ फिरौती मांगने की शिकायत दर्ज करवी है। अरुण घेवरिया का आरोप है कि आरोपियों ने एक-दूसरे की मदद से किसी प्रकार उनका निजी पलों का वीडियो प्राप्त कर लिया और उस वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर 10 लाख रुपए की फिरौती की मांग की है। डॉ. अरुण घेवरिया ने पुलिस को यह भी बताया कि आरोपियों द्वारा फेक वीडियो बनाया है। वीडियो असली है या नकली यह आरोपियों के पकड़े जाने के बाद पता चलेगा। फिलहाल अमरोली पुलिस ने डॉ. अरुण घेवरिया की शिकायत के आधार पर हर्ष वघासिया समेत तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरूकी है।

सार-समाचार

चार साल की बच्ची से 32 शख्स ने किया दुष्कर्म, पुलिस ने आरोपी किया गिरफ्तार

अमरेली,सावरकुंडला तहसील के एक गांव में चार साल की बच्ची से दुष्कर्म की घटना सामने आई है। सावरकुंडला पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 32 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित बच्ची अस्पताल में उपचाराधीन है और उसकी तबियत में सुधार हो रहा है। जानकारी के मुताबिक अमरेली जिले की सावरकुंडला तहसील के एक गांव में 4 वर्षीय और 3 वर्षीय दो बच्चियां दोपहर के वक्तअपने घर के निकट खेल रही थीं। उस वक्त घर के निकट रहनेवाला 32 वर्षीय जीतु उर्फ राहु रवजीभाई गोहिल नामक शख्स बच्चियों के पास पहुंच गया और 4 साल की मासूम बच्ची को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया। जीतु मासूम बच्ची को लेकर गांव के भरत नामक शख्स के बंद मकान में पहुंचा। जहां जीतु ने मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। बच्ची की माता को जब घटना का पता चला तो उसने सावरकुंडला पुलिस थाने में आरोपी जीतु के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दिया। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए जीतु को गिरफ्तार कर लिया। दुष्कर्म पीड़ित बच्ची का उपचार चल रहा है और उसकी तबियत में सुधार है।

दुष्कर्म पीड़िता का नाम सार्वजनिक करने पर पारुल यूनिवर्सिटी के उप सचिव के खिलाफ केस दर्ज

वडोदरा,शहर की पारुल यूनिवर्सिटी फिर एक बार विवाद में आ गई है। पारुल यूनिवर्सिटी के उप कुल सचिव के खिलाफ दुष्कर्म पीड़ित युवती का नाम सार्वजनिक करने का केस दर्ज किया गया है। गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के मुताबिक दुष्कर्म पीड़िता की मानहानि और बदनामी न हो इसके लिए उसका नाम सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। इसके बावजूद पारुल यूनिवर्सिटी के उप कुल सचिव डॉ. अजीत गंगवाण ने दुष्कर्म पीड़ित युवती का सार्वजनिक हो इस प्रकार का पत्र वायरल किया था। पीड़िता पारुल यूनिवर्सिटी में आसिस्टन्ट प्रोफेसर है और यूनिवर्सिटी में पीएचडी कर रही है। इसी यूनिवर्सिटी के नवज्योत कुमार त्रिवेदी पर युवती से दुष्कर्म का आरोप है और इसकी शिकायत भी दर्ज करवाई गई है। इस मामले में यूनिवर्सिटी के उप कुल सचिव डॉ. अजीत गंगवाण द्वारा युवती का नाम सार्वजनिक हो इस प्रकार पत्र वायरल किया गया है। जिसे लेकर वडोदरा के वाघोडिया पुलिस थाने में डॉ. अजीत गंगवाण के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है, जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरूकी है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

तृणमूल कांग्रेस ने राज्यसभा उपचुनाव के लिए जवाहर सरकार को नामित किया

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने राज्य में आगामी राज्य सभा उपचुनाव के लिए अपने प्रत्याशी के तौर पर पूर्व नौकरशाह जवाहर सरकार को शनिवार को नामित किया। निर्वाचन आयोग ने 16 जुलाई को कहा था कि इस साल की शुरुआत में दिनेश त्रिवेदी के इस्तीफे से खाली पश्चिम बंगाल की राज्य सभा सीट के लिए उपचुनाव नौ अगस्त को होगा। पार्टी ने एक बयान में कहा, 'हम संसद के ऊपरी सदन में जवाहर सरकार को नामित कर प्रसन्न हैं।' राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी ने कहा कि सरकार ने लोकसेवा में करीब 42 वर्ष दिए हैं और वह प्रसार भारती के पूर्व सीईओ भी रहे हैं। पार्टी ने कहा, 'लोकसेवा में उनका योगदान देश की बेहतर तरीके से सेवा करने में हमारी मदद करेगा।' नामांकन पर प्रतिक्रिया देते हुए सरकार ने कहा, 'मैं एक नौकरशाह था। मैं राजनीतिक व्यक्ति नहीं हूं लेकिन मैं लोगों के विकास के लिए काम करुंगा और जनता से जुड़े मुद्दों को संसद में उठाउंगा।'

2 अगस्त को स्कूल खोलने के फैसले पर गहलोत सरकार पर निशाना

जयपुर । राज्य के शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा द्वारा 2 अगस्त से सभी कक्षाओं के लिए सभी स्कूलों को फिर से खोलने की घोषणा के बमुश्किल 24 घंटे बाद राज्य सरकार इस फैसले की तीव्र आलोचना की जा रही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार रात एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें एक समिति गठित करने का निर्णय लिया गया, क्योंकि राज्य में अभिभावकों ने अगले महीने से सभी कक्षाओं के लिए स्कूल फिर से खोलने के विचार को सिरे से खारिज कर दिया है। सोशल मीडिया पर शुक्रवार से नो वैक्सीन नो स्कूल अभियान चलाया जा रहा है और राज्य सरकार पर पूरी फीस वसूलने के लिए निजी स्कूलों के दबाव में आने का आरोप लगाया जा रहा है। गठित समिति में डोटासरा, स्वास्थ्य मंत्री रघु शर्मा, कृषि मंत्री लालचंद कटारिया, उच्च शिक्षा मंत्री भंवर सिंह भाटी और तकनीकी शिक्षा मंत्री सुभाष गर्ग शामिल हैं। डोटासरा ने गुरुवार रात कैबिनेट की बैठक के बाद सभी कक्षाओं के लिए 2 अगस्त से स्कूल फिर से खोलने की घोषणा की। सूत्रों ने बताया कि गहलोत ने डोटासरा से यह पूछा है कि गुरुवार की कैबिनेट बैठक में स्कूल फिर से खोलने की तारीखों पर सहमति नहीं होने पर भी उन्होंने स्कूल खोलने के बारे में ऐसी घोषणा क्यों की है?

दो दिवसीय दौरे पर गोवा पहुंचेंगे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा

पणजी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा का शनिवार को गोवा के दो दिवसीय दौरे पर गोवा पहुंचने का कार्यक्रम है। राज्य भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष सदानंद शेत तनवड़े के अनुसार, नड्डा के आगामी राज्य विधानसभा चुनावों पर नजर रखने के लिए बैठकों की एक श्रृंखला की अध्यक्षता करने की उम्मीद है, जो 2022 की शुरूआत में प्रस्तावित हैं। तनवड़े ने कहा , जेपी नड्डा 24 से 25 जुलाई तक गोवा के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। वह शनिवार दोपहर पहुंचेंगे और रविवार शाम को रवाना होंगे। वह विधायकों, मंत्रियों, पदाधिकारियों, राज्य कोर टीम के साथ बैठकों में भाग लेंगे। नड्डा राज्य के एक टीकाकरण केंद्र का भी दौरा करेंगे। हाल के दिनों में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का राज्य का यह पहला दौरा है। नड्डा के दौरे की तैयारियों का जायजा लेने के लिए पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि शुक्रवार की देर रात राज्य में पहुंचे।

सोने की तस्करी में इंडिगो और स्पाइसजेट के चार कर्मचारियों सहित सात लोग गिरफ्तार

नयी दिल्ली। सीमा शुल्क अधिकारियों ने इंडिगो और स्पाइसजेट एयरलाइंस के चार कर्मचारियों समेत सात लोगों को कथित तौर पर 72.46 लाख रुपये मूल्य के सोने की तस्करी के लिए गिरफ्तार किया है। दिल्ली के सीमा शुल्क विभाग ने ट्विटर पर लिखा, 21 जुलाई, 2021 को एक 24 घंटे लंबे अभियान में, दिल्ली हवाईअड्डे के सीमा शुल्क अधिकारियों ने सात लोगों को गिरफ्तार करके सोने की तस्करी के एक गिरोह का भंडाफोड़ किया। इनमें दो लोगों को तस्करी के खेप के साथ पकड़ा गया जबकि बाद में इंडिगो और स्पाइसजेट के चार कर्मचारियों एवं एक दूसरे व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। गिरोह द्वारा तस्करी कर लाए गए सोने की कीमत 72,46,353 रुपये है। इस बारे में और ब्योरा नहीं मिला है।

गोवा भाजपा ने केंद्र सरकार से बाढ़ प्रभावित लोगों को सहायता देने का आग्रह किया

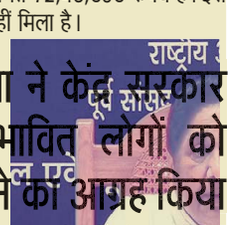

पणजी। भारतीय जनता पार्टी की गोवा इकाई ने शनिवार को कहा कि पिछले दो दिन से लगातार हो रही वर्षा और बाढ़ से गंभीर रूप से प्रभावित राज्य की हर संभव मदद से किए उसने केंद्र सरकार से आग्रह किया है। भाजपा गोवा प्रदेश अध्यक्ष सदानंद शेत तनावडे ने कहा कि इस समय जिन लोगों को भी सहायता की जरूरत है उनके लिए पार्टी एक हेल्पलाइन की शुरुआत करेगी। तनावडे ने कहा, 'हमने केंद्र सरकार से आपदा के समय राज्य की सहायता करने की अपील की है। हमें विश्वास है कि अतीत की तरह इस बार भी सरकार बाढ़ पीड़ितों की मदद करेगी।' उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और उनके कैबिनेट मंत्री लोगों की ममद में जुटे हैं,सरकारी तंत्र भी नुकसान को रोकने के लिए अधिक समय तक काम कर रहा है। भाजपा नेता ने कहा कि पार्टी के सभी कार्यकर्ता, संबंधित क्षेत्रों में लोगों की सहायता कर रहे हैं। भारी बारिश और उफनती नदियों के कारण गोवा के निचले हिस्से जलमग्न हो गए हैं। इन इलाकों में लगभग एक हजार घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं और सैकड़ों लोगों को यहां से बचाया गया है। शुक्रवार को राज्य में ऐसी भीषण बाढ़ आई जो पिछले 40 सालों में नहीं आई।

यूपी में मुस्लिम वोटों के लिए सपा-बसपा-ओवैसी सब बेचैन

लखनऊ। (एजेंसी)।

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव मुस्लिम वोटों के बंटवारे को रोकने के लिए भले ही ओवैसी से सियासी दूरी बनाकर चल रहे हैं लेकिन असद्उद्दीन ओवैसी ने सपा प्रमुख के इंकार के बाद भी उसके सहारे सत्ता की सीढ़ियां चढ़ने का सपना नहीं छोड़ा है। दरअसल, ओवैसी भले ही अपने आप को मुस्लिमों का रहनुमा मानते हो और इसके सहारे उन्होंने बिहार में कुछ विधान सभा की सीटें भी जीत ली हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश में हालात दूसरे हैं, यहां मुसलमान सपा को ही अपना सबसे बड़ा रहनुमा मानती है। सपा ने यह वोट बैंक कांग्रेस से हासिल किया था।कभी मुसलमान कांग्रेस का वोट बैंक हुआ करता था,लेकिन अयोध्या में विवादित ढांचा गिरने के बाद जिसे मुसलमान बाबरी मस्जिद मानते थे मुसलमानों ने कांग्रेस से दूरी बना ली थी। क्योंकि उन्हें लगता है कि तत्कालीन कांग्रेस की सरकार ने जानबूझकर विवाद बाबरी मस्जिद को शहीद कराया था। बहरहाल मुद्दे पर आया जाए तो ओवैसी ने सपा प्रमुख पर दबाव बनाने के लिए अब नया दांव चला है और कहा है कि यदि समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव डिप्टी सीएम किसी मुसलमान को बनाने को तैयार हो जाएं तो उनकी पार्टी सपा से समझौता कर सकती है। ऐसा कहकर ओवैसी दोनों हाथों में लड्डू रखना चाहते हैं। आधार पर समझौता हो गया तो ठीक, नहीं हुआ तो वह चुनावी रैलियों में ढिंढोरा पीटेंगे कि सपा प्रमुख किसी मुसलमान को सीएम क्या डिप्टी सीएम भी बनता हुआ नहीं देखना चाहते हैं। इससे ओवैसी को उम्मीद है वह मुस्लिम वोटों में बंटवारा करने में सफल हो जाएंगे। ओवैसी के नेतृत्व वाली ऑल इण्डिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-ए-मुस्लमीन (एआईएमआईएम) ने शर्त रखी है कि अगर समाजवादी पार्टी यूपी में गैर भाजपा सरकार बनने पर भागीदारी मोर्चे के किसी वरिष्ठ मुस्लिम एमएलए को उप मुख्यमंत्री बनाने को तैयार हो तो उनकी पार्टी और मोर्चे का सपा से गठबंधन हो सकता है।

पार्टी के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली ने कहा कि भागीदारी संकल्प मोर्चा, समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ने को तैयार है।मगर इसमें शर्त यह रहेगी कि सरकार बनने पर उप मुख्यमंत्री मोर्चे के किसी वरिष्ठ मुस्लिम विधायक को बनाया जाए। बताते चले वैसे ओवैसी अपनी पार्टी को उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में ताकत प्रदान करने के लिए अगस्त से यूपी का दौरा करने वाले हैं। विधान सभा चुनाव के मद्देनजर ओवैसी अभी कुछ ही दिन पहले मुरादाबाद व आसपस के इलाकों में पार्टी के कार्यकर्ताओं से मिले थे और संगठन को मजबूत करते हुए कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने की रणनीति पर विचार किया था।अगस्त की शुरूआत के अपने इस दौरे में ओवैसी प्रयागराज, फतेहपुर, कौशाम्बी और आसपास के अन्य जिलों में कार्यकर्ताओं से मिलेंगे। इसके अलावा इसी दौरान वह बुद्धिजीवियों के अलग-अलग समूहों से भी मिलेंगे। इनमें खासतौर पर मुस्लिम, दलित, व पिछड़े वर्ग के वकील, अधिकारी, डाक्टर,इंजीनियर आदि प्रोफेशनल भी शामिल रहेंगे। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली ने कहा कि यूपी में संगठनात्मक ढांचा खड़ा हो गया है। सभी 75 जिलों में जिला अध्यक्ष बना दिये गये हैं, जिला इकाईयां भी गठित हो चुकी हैं। पार्टी यूपी के इस बार के विधान सभा चुनाव में सौ सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े करने का एलान पहले ही कर चुकी है। बातचीत में शौकत अली ने कहा कि हम तो चाहते हैं कि इस बार यूपी में अगर भाजपा को रोकना है तो सपा-बसपा के साथ हमारा भागीदारी संकल्प मोर्चा मिलकर लड़ें। इससे मुसलमानों का बीस प्रतिशत वोट बिखरने से बच जाएगा।

मोटर वाहन अधिनियम में जुर्माना राशि में बढ़ोतरी अव्यवहारिक : कांग्रेस

धर्मशाला। (एजेंसी)।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता दीपक शर्मा ने कहा कि मोटर बाहन अधिनियम में जुर्माना राशि में की गई बढ़ोतरी अव्यवहारिक है। करोना संकटकाल के चलते पहले ही जनता आर्थिक तंगी से जूझ रही है।ऐसे में सरकार द्वारा भारी भरकम जुर्माना राशि तय करना जनता पर अतिरिक्त बोझ डालने के समान है। उन्होंने कहा कि भारी भरकम जुर्माना तय करने से मोटर वाहन अधिनियम का उलंघन नहीं रुकेगा।इसके लिए जनता को प्रेरित करने पर बल दिया जाना चाहिए।अगर कोई वाहन नियमों का उलंघन करता है तो जुर्माना राशि व्यवहारिक होनी चाहिए। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि वातानुकूलित कमरों में बैठ कर अफ़सरशाही जनविरोधी फैसले ले रही है।सरकार को हर पहलू से सोच कर निर्णय करना चाहिए।उन्होंने कहा कि इस निर्णय से सरकार की असंवेदनशीलता की झलक मिलती है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि अगर सरकार ने यह जुर्माना राशि कम नहीं की तो कांग्रेस पार्टी विरोध प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगी।उन्होंने कहा कि सरकार के इस जनविरोधी फैसले से न केवल साधारण जनता बल्कि लाखों टेक्सी चालक भी प्रभावित होंगे। दीपक शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार हर बार जनविरोधी फैसले लेकर नौसिखिया सरकार होने का प्रमाण दे रही है।सरकार ने अभी तक एक भी फ़ैसला जनहित में नहीं लिया है।सरकार के जनविरोधी फैसलों से प्रदेश का किसान-बागवान, मजदूर, बेरोजगार, छोटा व्यापारी, मध्यम वर्ग, सब आहत हैं।उन्होंने कहा कि सरकार को महंगाई, बेरोज़गारी की समस्याओं पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है लेकिन सरकार का इन ज्वलन्त समस्याओं बारे कोई ध्यान-दृष्टिकोण नहीं है।

गृह मंत्री ने माविर्योंग में अंतरराज्यीय बस टर्मिनल का किया उद्घाटन

बोले- यह रोड कनेक्टिविटी के लिए बहुत बड़ा केंद्र बनेगा

शिलांग। (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एकदिवसीय मेघालय दौर हैं। इस दौरान उन्होंने माविर्योंग में अंतरराज्यीय बस टर्मिनल का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि आज मैं मेघालय और संपूर्ण पूर्वोत्तर की जनता को बधाई देना चाहता हूं। यह अंतरराज्यीय बस टर्मिनल नॉर्थ ईस्ट की रोड कनेक्टिविटी के लिए एक बहुत बड़ा केंद्र बनने वाला है। अंतरराज्यीय बस टर्मिनल के उद्घाटन समारोह में गृह मंत्री अमित शाह के साथ मुख्यमंत्री कोनराड संगमा और केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी भी मौजूद रहे। गृह मंत्री ने कहा कि यह उस समय शुरू हो रहा है जब भारत अपनी आजादी के 75वें वर्ष का जश्न मना रहा होगा और मेघालय अपनी स्थापना का 50वां वर्ष मनाएगा। उन्होंने कहा कि आज जो काम हो रहा है वो सालों पहले होना चाहिए था। भारत सरकार के लगभग 50 हजार करोड़ लगाने के बाद यहां पर अंतरराज्यीय बस टर्मिनल बन रहा है। उन्होंने कहा कि नॉर्थ ईस्ट में कनेक्टिविटी की जरूरत बहुत ज्यादा है। क्योंकि इसके बिना यहां पर विकास को गति देना असंभव है। उन्होंने कहा कि 2014 में भाजपा की सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री जी ने नॉर्थ ईस्ट की कनेक्टिविटी को सबसे महत्व दिया। हमारा प्रयास है कि 2024 से पहले नॉर्थ ईस्ट के हर राज्य की राजधानी रेल और हवाई अड्डे से जुड़ जाए। इसके साथ-साथ रोड कनेक्टिविटी को भी बल देने की जरूरत है।

राष्ट्रपति कोविंद ने राष्ट्रपति भवन में एसबीआई की पहली शाखा का उद्घाटन किया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने शनिवार को राष्ट्रपति भवन में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की नई शाखा का उद्घाटन किया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। राष्ट्रपति भवन परिसर में यह एसबीआई की पहली शाखा है। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी बयान के अनुसार एसबीआई की शाखा में पहले ग्राहक स्वयं राष्ट्रपति कोविंद रहे। उनका खाता खोलने के बाद बैंक ने उन्हें पासबुक भी दी।

इस मौके पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री डॉ. भागवत किशन राव और एसबीआई के चेयरमैन दिनेश खारा मौजूद थे। इस शाखा की कुछ महत्वपूर्ण खूबियों के तहत इसमें विभिन्न प्रक्रियाओं के लिए पूरी तरह डिजिटलीकरण की नीति अपनाई गई है।

इस शाखा में एक छत के नीचे सभी वित्तीय सेवाएं उपलब्ध हैं। इसके अलावा यह शाखा नवीनतम डिजिटल सुविधाओं मसलन वीडियो केवाईसी,ऑटोमेटेड नकद जमा एवं निकासी मशीन और पासबुक प्रिंटिंग मशीन से लैस है। बयान में कहा गया है कि राष्ट्रपति भवन परिसर में स्थित इस शाखा का इस्तेमाल वे लोग भी कर सकेंगे जो राष्ट्रपति एस्टेट के निवासी नहीं हैं। एसबीआई देश का सबसे बड़ा बैंक है।

महाराष्ट्र में बारिश और बाढ़ से हुए नुकसान के बाद पुनर्निर्माण, प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती

मुंबई। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के चिपलून शहर में जब 21 जुलाई को भारी बारिश शुरू हुई तब कोचिंग केंद्र चलाने वाली प्रगति राणे को यह नहीं पता था कि स्थिति इतनी बिगड़ जाएगी कि उसके परिवार और अन्य लोगों को बारिश के बीच आस लगाए रातभर अपने घरों की छत पर बैठना पड़ेगा। हालांकि, कुछ घंटों बाद राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने उन्हें बचा लिया, राणे जैसे अनेक परिवारों को अपना जीवन दोबारा शुरू करने में बेहद कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा।

रत्नागिरि के चिपलून, खेड़ और अन्य शहरों तथा पड़ोसी जिले रायगढ़ में पिछले कुछ दिनों में भारी बारिश हुई और नदियों का स्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया। ज्यादातर प्रभावित क्षेत्रों में पानी का स्तर बड़ी मात्रा में घट गया है लेकिन बाढ़ से अत्यधिक क्षति हुई है। घरों और सड़कों पर मिट्टी का ढेर जमा हो गया है। कई लोगों ने अपनों को खोया भी है। राणे ने कहा, '21 जुलाई को भारी बारिश हो रही थी। लेकिन मैंने सोचा कि कुछ घंटे तक पानी का स्तर बढ़ेगा और बाद में घट जाएगा। लगातार बारिश से रात में पानी का स्तर अचानक बढ़ा और हमें सब कुछ छोड़कर अपने घर की ढलान वाली छत पर जाना पड़ा।' उन्होंने कहा, 'अगली शाम को एनडीआरएफ के दल ने हमें बचाया।ज हमारे लिए यह भयावह अनुभव थाज। घर में हमारे पास जो कुछ भी था, वह बर्बाद हो गया। मेरी रसोई के बर्तन और बाकी चीजें खो गई हैं।' खेड़ और महाड में भी ऐसे ही हालात हैं। महाड में फोटोकॉपी की दुकान चलाने वाले मुजफ्फर खान ने कहा, '21 जुलाई को शाम चार बजे तक दुकान चलाने के बाद, मैं पांच बजे घर गया। इसके बाद इतनी तेज बारिश हुई कि मैं उसके बाद दुकान नहीं जा सका। मैं वहां आज सुबह ही जा पाया। दुकान तक जाने वाली सड़क पर पानी भरा था जहां अब मिट्टी जमा है।' उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि मिट्टी कैसे हटाई जाएगी क्योंकि वह केवल मिट्टी की एक सतह नहीं है, चूहे जैसे मरे हुए जानवर भी हैं। पूरी नाली में दुर्गंध है। हमने स्थानीय अधिकारियों से बात की लेकिन इस समय सभी व्यस्त हैं।'

कर्नाटक के मंत्री निरानी ने मुख्यमंत्री येदियुरप्पा को हटाने के लिए गोलबंदी से इनकार किया

कलबुर्गी (कर्नाटक)। (एजेंसी)।

कर्नाटक में खनन एवं भूविज्ञान मंत्री मुरुगेश आर निरानी ने मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा को हटाने के लिए गोलबंदी करने की बात से इनकार करते हुए कहा कि वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केंद्रीय नेतृत्व के किसी भी फैसले का पालन करेंगे। निरानी ने यहां पत्रकारों से कहा कि वह भाजपा के एक सामान्य पदाधिकारी हैं और पार्टी के आदेश का पालन करना उनका कर्तव्य है। मंत्री ने कहा कि भाजपा एक अनुशासित पार्टी है और दूसरी पार्टियों की तरह यहां पदों के लिए गोलबंदी नहीं चलेगी। येदियुरप्पा ने घोषणा की थी कि वह पार्टी नेतृत्व के निर्देश का पालन करेंगे। इसके बाद राज्य के अगले मुख्यमंत्री के तौर पर जिन लोगों के नाम पर अटकलें लग रही हैं, उनमें निरानी का नाम भी शामिल है। मंत्री ने कहा, ''मुख्यमंत्री को हटाने का कोई निर्देश नहीं है। वह अब भी हमारे नेता हैं और हम सभी उनके साथ हैं। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व मुख्यमंत्री पद पर फैसला लेगा और हम सभी को इसका पालन करना होगा।'' निरानी करीब एक पखवाड़ा पहले दिल्ली आए थे और अपने इस दौरे को 'सफल' बताया था, हालांकि उन्होंने येदियुरप्पा को समर्थन भी दोहराया था। गोलबंदी के सवाल पर निरानी ने कहा, ''मैंने अपने जीवन में किसी पद के लिए गोलबंदी नहीं की। पार्टी ने मुझे जो जिम्मेदारी दी मैंने उसे निभाया। हमारे राष्ट्रीय नेता सभी कारकों पर गौर करने के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए सही व्यक्ति का चुनाव करेंगे।'' निरानी तीन बार विधायक रहे हैं और वह एक उद्योगपति हैं और चीनी मिल चलाने वाले एमआरएन ग्रुप के मालिक हैं।

विजय दिवस स्पेशल: इस फौजी की कहानी सुन नम हो जाएंगी आंखें, 19 साल की उम्र में 15 गोलियां खाकर भी पाक सैनिकों से अकेले भिड़ गए

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

कारगिल युद्ध में जीत के बाद चार योद्धाओं को परमबीर चक्र से सम्मनाति किया गया। कैप्टन विक्रम बत्रा और कैप्टन मनोज पांडेय को मनरणोपरांत ये सम्मान दिया गया था। लेकिन दो परमबीर ऐसे भी थे जो पहले दुश्मन की मौत बने। फिर अपनी मौत के मुंह से जिंदा लौट आएं। आज आपको 19 साल में परमवीर चक्र पाने वाले फौजी योगेंद्र सिंह यादव की कहानी।

योगेंद्र सिंह यादव की कहानी शुरू होती है उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर के गांव औरंगाबाद से जहां 10 मई, 1980 को कर्ण सिंह यादव और संतरा देवी के परिवार में किलकारियां गूंजी। सैनिक पिता की परवरिश में बेचा शौर्य के किस्से सुनकर बड़ा हुआ। महज 18 बरस की उम्र में ही भारतीय सेना में भर्ती हो गए। 19 साल की उम्र में ही उनकी शादी रीना यादव से हो गई। शादी की छुट्टियों के बाद योगेंद्र जब ड्यूटी पर लौटे तो जिंदगी की सबसे बड़ी चनौती उनका इंतजार कर रही थी।

टाइगर हिल के बंकरों पर किया कब्जा

योगेंद्र सिंह यादव 27 दिसंबर 1997 को भारतीय सेना की 18 ग्रेनेडियर रेजीमेंट में भर्ती हुए। शादी के पंद्रह दिनों बाद उन्हें अपनी पोस्टिंग कश्मीर वैली में जाना पड़ा। योगेन्द्र सिंह यादव को टाइगर हिल के तीन सबसे खास बंकरों पर कब्जा करने का काम सौंपा गया था। योगेंद्र यादव सहित 14 सिपाहियों को दो कंपनी में विभाजित करके पहाड़ी पर अगले और पिछले भाग से चढ़ाया गया, जिससे दुश्मनों की ताकत दो हिस्सों में बंट जाए। 4 जुलाई 1999 को योगेन्द्र अपने कमांडो प्लाटून %घातक% के साथ आगे बढ़े। उन्हें करीब-करीब 90 डिग्री की सीधी चढ़ाई पर चढ़ना था। यह एक जोखिम भरा काम था। मगर सिर्फ यही एक रास्ता था, जहां से पाकिस्तानियों को चकमा दिया जा सकता था। विरोधियों के आने की आहट सुन पाकिस्तानी सेना ने फायरिंग शुरू कर दी। इसमें कई भारतीय जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। जिससे भारतीय जवानों को पीछे हटना पड़ा। फिर 5 जुलाई को 18 ग्रनेडियर्स के 25 सैनिक फिर आगे बढ़े। असंभव सी लगनी वाली इस चढ़ाई के लिए योगेंद्र ने रस्सी का सहारा लिया। पाकिस्तानियों ने उन पर ज़बरदस्त गोलीबारी की। पाँच घंटे तक लगातार गोलियां चलीं। 18 भारतीय सैनिकों को पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ा। अब वहाँ सिर्फ 7 भारतीय सैनिक बचे थे।

15 गोलियां लगने के बाद भी दिखाया अद्भय साहस

बीबीसी से बात करते हुए खुद परमबीर योगेंद्र ने घटना का जिक्र करते हुए बताया था 35 पाकिस्तानियों ने हम पर हमला किया और

हमें चारों तरफ़ से घेर लिया. मेरे सभी छह साथी मारे गए। भारतीय और पाकिस्तानी सैनिकों की लाशों के बीच पड़ा हुआ था। मेरे पैर, बाँह और शरीर के दूसरे हिस्सों में में करीब 15 गोलियाँ लगीं थी।मैंने अपनी सारी ताकत जुटा कर अपना ग्रेनेड निकाला उसकी पिन हटाई और आगे जा रहे पाकिस्तानी सैनिकों पर फेंक दिया। वो ग्रेनेड एक पाकिस्तानी सैनिक के हेलमेट पर गिरा। उसके चिथड़े उड़ गए। मैंने एक पाकिस्तानी सैनिक की लाश के पास पड़ी हुई पीका रायफल उठा ली थी। मेरी फ़ायरिंग में पाँच पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। वहीं पर एक नाला बह रहा था। वो उसी हालत में उस नाले में कूद गये। पाँच मिनट में वो बहते हुए 400 मीटर नीचे आ गए। वहाँ भारतीय सैनिकों ने उन्हें नाले से बाहर निकाला। यादव को उनकी असाधारण वीरता के लिए भारत का सर्वोच्च वीरता सम्मान परमवीर चक्र दिया गया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ओफ़सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)